जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, रविवार 22 फरवरी, 2026

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

7 - 12% CURCUMIN

लाकाडोंग हल्दी पाउडर | 250 g MRP ₹ 250

50,000+ SHU PUNGENCY (TEEKHAPAN)

मिर्ची पाउडर | 250 g MRP ₹ 150

DOUBLE PARROT SABUT DHANIA SE BANA

धनिया पाउडर | 250 g MRP ₹ 100

FIXED PRICE

रिटेलर हो या कस्टमर:
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती चावल
- एलीट बासमती चावल
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- गुड़
- गुड़ पाउडर

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- फ्लेवर्ड मखाना
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- ब्लेंडेड मसाले
- सेंधा नमक
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- सोया चंक्स
- चाय और भी बहुत कुछ

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र उसकी दस उंगलियाँ हैं। –राबर्ट कोलियर

पसीने से गढ़े गए बांध की स्मृति

विद्यालयों महाविद्यालयों में गर्मियों की छुट्टियाँ थीं। परीक्षा के बाद का आनंद था। परिणाम की प्रतीक्षा। इस पार कि उस पार। गाँव की दोपहरें तपकर तपाती। हवा आग की लपट जैसी। लुआर चलाती। धरती की साँस सूखी और भारी। ढरें और पगडंडियों पर पर पाँव रखना कठिन, जैसे अंगारे पर चलना हो। खेतों में लाल-भूरी मिट्टी फटकर खुल गई थी। दरारें इतनी चौड़ी थीं कि उनमें कोई चिडिया उतर जाए तो लौट न पाए। हर दरार के भीतर सोई हुई प्यास थी, जैसे पानी मांग-मांग कर थक रही हों। एक बार की खेती कट चुकी थी दरारें नहीं ढेले और कटी फसल की रह गई डंडियाँ सूखकर जमीन से लग गई थीं। कुओं का पानी कम हो गया था। यह कोई 50 साल पहले की बात की बात है।

नरो पहाड का दुर्भाग्य यह रहा कि उसके आसपास हमेशा गरीब लोग बसे। खेत छोटे थे, बरसात पर टिके हुए। नहरें बहुत देर से पहुँचीं, तब भी अधूरी। पानी की असली आस तो बरसात ही थी-तालाबों में भरता जल,कुओं में उतरता, खेतों में बहता। तालाब जीवन के थाल जैसे थे, जिनमें वर्षा का जल रखा जाता था। अन्न ही रखा मानिए। मैंने पहाड़ को कई सालों तक अपनी आँखों से देखा। पगडंडियों पर चलते-चलते, जंगल को नापते-नापते। उस समय पहाड़ भरा-पूरा था। वृक्षों की भरमार। ऊँचे-ऊँचे, गहरे और छायादार। उनके बीच मध्यम कद के वृक्ष और झाड़ियाँ भी, जिनमें छोटे जीव छिपते, पक्षी बैठते। पहाड़ की साँस हरी थी, और हर साँस में जीवन का संगीत था।

पहाड बडे बीजों वाले वृक्षों के लिए प्रसिद्ध था। उनके बीज ऐसे कि धरती में गिरें तो जैसे धरती ने कोई गर्भ धारण किया हो। उन्हीं पर पूरा वन टिका था। उन्हीं के बीच घूमते थे सांभर, भालू, कलमुंहा लंगूर, बंदर, खरहा, मोर। बड़े वृक्षों के कोटर उल्लुओं का घर थे। शाम ढलते ही सियारों की आवाज़ गूँजती। जंगल का अंधकार उनकी बोली से भर जाता। जंगली सूअर रात होते ही खेतों में उतरते और किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए खेतों में रातभर बने रहने को मजबूर होते। घ्वांपे भरे रहते, धुएँ में मनुष्य और पशु साथ-साथ साँस लेते।

नरो पहाड का समय बदल गया। धीरे-धीरे बड़े जानवर गए। शिकार ने उन्हें मिटा दिया। उनके जाने के साथ ही बडे बीज वाले वृक्षों का भविष्य भी सूख गया। जंगल का वह चक्र, जिसमें प्राणी और वृक्ष एक-दूसरे को जन्म देते रहते थे, टूट गया। जो पुराने विशाल वृक्ष बचे थे, वे लकड़ी बनकर शहर चले गए। छोटे वृक्ष कस्बों के चूल्हों की आग में जल गए। गरीब आबादी ने अपनी भूख मिटाने के लिए पहाड़ को अपना साधन बनाया और उसी साधन को धीरे-धीरे नष्ट कर दिया। कभी जो पहाड़ घनेपन से साँस लेता देता था, अब उसकी साँस टूट-टूटकर आती है। कभी जो झूमते वृक्ष थे, अब सूखे ठूंठ खड़े हैं। कभी जहाँ हिरन दौड़ते थे, अब चराई और खनन की धूल उड़ती है।

फिर भी, नरो पहाड़ की मिट्टी में कहीं न कहीं वह हरा सपना दबा हुआ है। कोई बीज अब भी इंतज़ार कर रहा है कि उसके ऊपर आकाश झुके और पानी बरसे। कोई उल्लू अब भी टूटी शाख पर बैठकर अंधेरे में बोलता है। पहाड़ पूरी तरह गया नहीं है। वह मौन में छिपा हुआ है-जैसे स्मृति, जैसे ध्वंस के भीतर जीवन का छिपा बीज हो।

इसी उजाड पहाड के पास बाँध बन रहा था। बाँध-जिसका सपना पानी था, और हक़ीक़त मिट्टी और पत्थर थी। गाँव वालों ने ठाना था पंचायत से ठनवाया था-बरसात अगर यूँ ही बह निकली तो जीवन बचेगा नहीं। कुएँ सूख जाएँगे, खेत मैदान हो जाएँगे, बच्चे और मवेशी प्यास से मरेंगे। पुराने तालाब हैं पर पानी कम पड़ने लगा। बाँध एक उम्मीद। पानी को रोकना था, रोककर बाँटना था, बाँटकर जीना था। धूप पैंतालीस डिग्री की। मजदूर एक-एक पत्थर उठाकर बाँध में सजाते। कोई पसीने से भीगा, कोई सिर पर गीला गमछा बाँधे। उनकी पीठ पर पसीने की धाराएँ बहतीं। पैरों में छाले। होंठ फटे। आँखें लाल। लेकिन चेहरों पर एक ज़िद-जैसे वे पत्थर नहीं, आने वाले पानी की गठरी उठा रहे हों। कभी किसी पत्थर के नीचे से बिच्छू निकल आता। मजदूर ठिठकते, फिर आगे बढ़ जाते। डर और ज़हर, भूख और प्यास के सामने मामूली थे।

मैं भी जाता था। मेरी मज़दूरी छोटी रही होगी। मेरे लिए बडी। एक पत्थर उठाना, सर में ढोना। एक तगाड़ी मिट्टी खोदना सर पर ढोना-ऐसे ही सभी काम थे। हाथों में छाले, हथेलियाँ खुरदरी। कभी खून की बूँद रिस जाती। लगता था पर शायद ठीक से खून नहीं निकालता रहा होगा। मैं छिपा लेता। मुझे लगता कि मेरी हथेलियों में भी बाँध छप गया। पत्थर सिर पर रखते ही लगता मानो पूरा आसमान उठाकर ले जाया जा रहा है। आसमान तन कर बैठ गया हो। मैं लड़खड़ाता। बाकी साथी मजदूर हँसते और कहते-पत्थर भी आदमी है,उसे भी धीरे से बिठाओ। तब मैं सोचता-क्या सचमुच पत्थर आदमी हैं? या आदमी पत्थर हो चुके हैं? धीरे-धीरे मैंने मिट्टी खोदना सीखा। फावड़ा गाड़ना, शरीर का सारा भार उसमें नहीं डालना। ताकत से पटक कर गाड़ देना, फिर ऊपर डंडे से उठा देना। मिट्टी निकलती। जलते हुए कण बिखरते। उसे ढोकर बाँध में डालना होता। कभी ढेर गलत जगह गिर जाता तो मजदूर हँसते। कहते-धरती भी आदमी को धीरे-धीरे सिखाती है। जेब में कभी-कभी मजदूरी के नाम पर सिक्के मिलते। एकाध नोट भी। बिलकुल कड़क नोट। संभलकर और संभालकर रखना होता था। उन्हें खर्च में नहीं उडा सकते। बस जेब में हाथ डालकर पैसे खनक सुननी होती। नोट को खडखडाना नहीं थथोलना होता है। मेहनत की आवाज़ इतने में आ जाती थी।

गर्मी चरम पर थी। कुएँ सूख चुके थे। औरतें घड़ों के लिए झगड़तीं। जानवर जीभ बाहर निकालकर हाँफते। आसमान नीला और कठोर। फिर एक दिन आसमान ने करवट बदली। बादल घिर आए। हवा बदल गई। मिट्टी में भीगने की गंध फैल गई। मजदूर आसमान की ओर देखने लगे। किसी ने दोनों हाथ जोड़ दिए। पहली बूंद गिरी। पत्थर पर पड़ी और बाँध ने साँस ली। फिर दूसरी, तीसरी... और अचानक मूसलाधार बारिश।

दोपहर में सब साथ बैठते। सब साथी मजदूर मोटी रोटियाँ लाते। किसी के पास प्याज़,किसी के पास नमक की डली। अदला-बदली भी कर लेते प्रेम से। मैं भी रोटियाँ निकालता। हम सब मिलकर खाते। पसीने और धूल की गंध, और रोटी का स्वाद मिलकर एक अलौकिक तृप्ति देते। पानी घर से ही लाते। घूँट दो घूँट में काम चलाते। बस, गला न सूखे। यह ध्यान रखना होता। लुआर भी चलती थी न। लुआर लग जाए तो फिर अगले दिन कैसे आते। मूडे में मोटी ढट्ठी बाँध कर रखते।

पास ही छूले के दूँठ से नई कोमल पत्तियाँ फूट आई थीं। उन्हीं की छाया में कभी कभी बैठते। तुलसीदास जी की चौपाई जोर जोर से गाते -जो अति आतपव्याकुलहोई। तरु छाया सुख जानइसोई।।- धूप में तपती धरती पर यह छोटी छाया किसी सुन्दर स्वर्ग का ठंडा टुकड़ा होती। कोई मजदूर गीत उठाता-धरती, बैल, और पानी के। कोई हँसी उड़ाता। धूप थोडी हल्की हो जाती। अरे नहीं, हल्की नहीं होती, हल्की नहीं होती, हल्की लगती रही होगी। खाने के बाद गर्मी की घनघोर धूप हल्की लगती होगी। भरे पेट लुआर भी नहीं मारती। बहुत देर नहीं बैठ सकते न। बंधा कैसे बनता फिर। कभी मजदूर पूछते-तू रोज़ क्यों आता है? तेरे बब्बा जानेंगे तो नाराज़ होंगे। मैं चुप रहता। क्या कहता? कि मुझे यह सब देखना अच्छा लगता है। सीखना चाहता हूँ कि बाँध कैसे बनता है, पसीना कैसे बरसात को बुलाता है? सबकी आँखों में इंतज़ार था। कोई कहता-बरसात आए तो धान बो दूँगा। कोई-कुआँ भर जाए तो बेटी की शादी कर दूँगा। कोई-पहले जान बच जाए, फिर काम देखेंगे। उनके पास सपना छोटा था, पर पसीना बड़ा। वे गीत और विनोद में थकान को थका देते। गांव में ऐसे ही जिया जाता है।

एक दिन मिट्टी खोदते हुए एक मजदूर को साँप मिला। सब भागे। मैं वहीं खड़ा रहा। सांप भी। साँप आँखों से आँखों में देखता रहा होगा। कोई रहस्य कह रहा होगा। फिर झाड़ियों में घुस गया। शायद बोलकर गया हो-बारिश आएगी। हमने सिरनहीं हिलाया। साँप की भविष्यवाणी सुनते तब न हिलाते। बिना सुने हिलाते तो सब हंसते। धीरे-धीरे बाँध ऊँचा हुआ। पत्थरों की कतारें पहाड़ की छाती पर उठकर वहां बैठ रही जैसी। हम आसमान देखते। पर आकाश नीला और कठोर था।

पिता जी प्राथमिक विद्यालय में मास्टर थे। जल्दी में सब माटसाब कह कर बुलाते। जानते थे कि मैं मजदूरों के साथ जाता हूँ। वे चुप रहते। माटसाबकी चुप्पी को मैं अनुमति मान लेता। मान लेना ठीक रहता है। वे न रोकते, न बुलाते। पर मुझे लगता था कि वे सब जानते हैं। उनके भीतर चिंता भी रही होगी और गर्व भी रहा होगा। पता नहीं। कभी बताया नहीं उन्होंने। मैं डरता था। बाप से डरना भी आवश्यक माना जाता है। इसलिए डरता था। शाम को घर लौटते समय, बिना पूछे ही उनकी आँखें पढ़ लेता। वे नहीं कहते-थक गया? पर उनके मौन में वह प्रश्न था। मैं भी नहीं कहता-थक गया। पर मेरी चुप्पी में उत्तर था। यही उनका ढंग था-बोलकर नहीं, मौन में सब जान जाना। मौन में प्रश्न, मौन में उत्तर। मौन में गुस्से से कूट भी देते हों, शायद। बाप का मौन बेटे को गंभीरता से लेने का नियम है। कूटे हुए मान लेते थे, अपने को। हम।

गर्मी चरम पर थी। कुएं सूख चुके थे। औरतें घडों के लिए झगडतीं। जानवर जीभ बाहर निकालकर हाँफते। आसमान नीला और कठोर। फिर एक दिन आसमान ने करवट बदली। बादल घिर आए। हवा बदल गई। मिट्टी में भीगने की गंध फैल गई। मजदूर आसमान की ओर देखने लगे। किसी ने दोनों हाथ जोड दिए। पहली बूंद गिरी। पत्थर पर पडी और बांध ने सांस ली। फिर दूसरी, तीसरी... और अचानक मूसलाधार बारिश। लोग नाचने लगे। पसीने और धूल से भीगे शरीर अब पानी में भीग गए। बाँध का खाली पेट भरने लगा। पानी नीचे से ऊपर चढ़ा। उम्मीद अब सच थी। मैं भीगते-भीगते सोच रहा था-यह बाँध सिर्फ़ पानी नहीं रोक रहा, यह हम सबको जोड़ रहा है। हर पत्थर में मजदूर का पसीना, हर मिट्टी में उनकी सांस। हर बूंद में हमारी प्रतीक्षा।

बरसात कई दिनों तक चली। बाँध भर गया। गांव के कुएं धीरे धीरे जीने लग रहे थे। बरसात में खेतों में धान लहलहाने लगी। रबी की और भी फसलें। बच्चे बाँध पानी में तैरने जाने लगे। पेट में डूब गए वे ठूँठ भी, जिनकी फुटान की छाया में हम रोटी खाते थे। छूले की छाया अब पानी के नीचे थी। बिच्छू, साँप, सब छिप गए थे। लगा जैसे यादें भी पानी में डूब गई हों और वहीं नई जड़ें जमा रही हों। बाँध बन गया था-और उसके साथ मैं भी बदल गया था। मजदूरी सिर्फ़ काम नहीं, जीवन का पाठ है। पत्थर सिर्फ़ पत्थर नहीं होते, उनमें भविष्य का जल छिपा होता है। पसीना सिर्फ़ पसीना नहीं होता-वह बादल बुलाने का मंत्र है। पिता की चुप्पी ही शिक्षा थी और बाँध मनुष्य की सामूहिक जिद का रूप था।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

राजस्थान में औद्योगिक विकास की नई करवट: 'राइजिंग राजस्थान' से निवेश का उगता सूरज

पी.पी. चौधरी

राजस्थान का बजट 2026-27 राज्य को औद्योगिक महाशक्ति बनाने की ठोस कार्ययोजना है। बजट घोषणाएं यह स्पष्ट करती हैं कि राज्य सरकार उद्योग, लॉजिस्टिक्स, आधारभूत संरचना और निवेश प्रोत्साहन को केंद्र में रखकर दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन का रोडमैप तैयार कर रही है। यह परिकल्पना केवल औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि राइजिंग राजस्थान जैसे निवेश अभियानों के माध्यम से वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने का भी व्यापक प्रयास है।

बजट में स्पष्ट किया गया है कि नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ मौजूदा औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं सड़क, बिजली, पानी आदि का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इसके लिए एक हजार करोड़ रुपए की राशि व्यय करने का प्रावधान किया गया है।

यह प्रावधान केवल निर्माण गतिविधि नहीं, बल्कि उद्योगों के लिए रेडी-टू-इन्वेस्ट वातावरण तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम है। जयपुर, भीलवाड़ा, श्रीगंगानगर, बीकानेर, नीमराना, कोटा और अजमेर जैसे औद्योगिक क्लस्टरों का सुदृढ़ीकरण राज्य के संतुलित क्षेत्रीय विकास की सोच को दर्शाता है।

औद्योगिक विकास में सबसे बड़ी चुनौती भूमि उपलब्धता होती है। सरकार ने इसके विकल्प को अपनाने के लिए आवश्यक विधिक प्रावधान करने की घोषणा की है। यह नीति, निजी भूमि स्वामियों और सरकार के बीच सहयोग का नया मॉडल है, जिससे भूमि अधिठाहण की जटिलताएं कम होगी और उद्योगों के लिए शीघ्र भूमि उपलब्ध हो सकेगी। राइजिंग राजस्थान जैसे निवेश अभियानों के लिए यह नीति अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला सिद्ध होगी।

एमएसएमई के लिए प्लग एंड प्ले मॉडल

लघु एवं सूक्ष्म उद्योग किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं। बजट में प्रत्येक संभाग मुख्यालय पर लघु और छोटे उद्योगों के लिए प्लग एंड प्ले सुविधाएं स्थापित करने की घोषणा कर इसके लिए 350 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह सुविधा नए उद्यिमयों को तैयार ढांचा शेड, बिजली, पानी और सामान्य सेवाएं उपलब्ध कराएगी, जिससे वे बिना लंबी प्रक्रिया के उत्पादन प्रारंभ कर सकेंगे।

स्टार्टअप संस्कृति और मेक इन राजस्थान की अवधारणा को गति देने के लिए यह अत्यंत उपयोगी पहल है।

दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर के अंतर्गत जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र के लिए लगभग 3,600 हेक्टेयर भूमि चरणबद्ध रूप से विकसित की जाएगी। प्रथम चरण में सड़क, बिजली और पानी जैसी आधारभूत संरचना पर लगभग 600 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह औद्योगिक क्षेत्र मेरे संसदीय क्षेत्र पाली सहित पूरे पश्चिमी राजस्थान के लिए विकास का एक नया द्वार खोलेगा। यह परियोजना राजस्थान को राष्ट्रीय औद्योगिक नक्शे पर एक नई पहचान देगी। पश्चिमी राजस्थान में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाएगा, बल्कि निर्यात और निवेश के नए आयाम भी स्थापित करेगा।

औद्योगिक विकास केवल उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि कुशल लॉजिस्टिक नेटवर्क पर निर्भर करता है। बजट में लॉजिस्टिक इको-सिस्टम के विकास के लिए भूमि आवंटन का उल्लेख किया गया है। भिवाड़ी और डीग व कुचामन क्षेत्र में लॉजिस्टिक हब विकसित करने की पहल उद्योगों को तेज़ परिवहन, कम लागत और बेहतर आपूर्ति श्रृंखला उपलब्ध कराएगी। राइजिंग राजस्थान के तहत जब विदेशी और राष्ट्रीय निवेशक राज्य में आएंगे, तो यह सुदृढ़ लॉजिस्टिक नेटवर्क उनकी पहली प्राथमिकता होगा।

औद्योगिक विकास के समानांतर शहरी आधारभूत संरचना में भी निवेश किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप, बारां में आरओबी से जुड़ी स्लिप लेन के निर्माण हेतु 11.50 करोड़ रुपए का प्रावधान तथा अन्य शहरी विकास कार्यों के लिए बजट प्रावधान यह दर्शाते हैं कि सरकार उद्योग और शहरी सुविधाओं को साथ लेकर चल रही है।

इसी प्रकार विभिन्न नगरों में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और ड्रेनेज कार्यों के लिए भी राशि स्वीकृत की गई है. जो निवेशकों के लिए बेहतर जीवन-पर्यावरण सुनिश्चित करेगी।

राइजिंग राजस्थान राज्य की नई औद्योगिक पहचान है। सरकार की रणनीति नीतिगत स्थिरता, भूमि उपलब्धता, आधारभूत ढांचा, लॉजिस्टिक नेटवर्क और कुशल मानव संसाधन पर बल देने की है। इन सभी को एकीकृत कर निवेशकों को आकर्षित करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

राजस्थान पहले से ही खनिज संपदा, सौर ऊर्जा, पर्यटन और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध रहा है। अब यह राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, रक्षा उत्पादन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में अठासर है।

इन बजटीय प्रावधानों से स्पष्ट है कि राज्य सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहना चाहती।

डीएमआईसी, प्लग एंड प्ले मॉडल, औद्योगिक क्लस्टर सुदृढ़ीकरण और लॉजिस्टिक हब आदि सभी मिलकर निवेशकों के लिए एक इको-सिस्टम अप्रोच प्रस्तुत करते हैं।

राज्य की वित्तीय अनुशासन नीति और पूंजीगत व्यय में वृद्धि भी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करत्ती है। जब सरकार स्वयं आधारभूत संरचना में निवेश करती है, तो निजी क्षेत्र का विश्वास स्वत: बढ़ता है।

राजस्थान का यह बजट औद्योगिक विकास की नई पटकथा लिखता दिखाई देता है। बजट घोषणाएं यह सिद्ध करती हैं कि राज्य सरकार निवेश, उद्योग और रोजगार को प्राथमिकता दे रही है। राइजिंग राजस्थान के माध्यम से यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने से राजस्थान न केवल उत्तर-पश्चिम भारत का, बल्कि देश का एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनेगा।

–पी.पी चौधरी,
सांसद एवं पूर्व केंद्रीय
कॉर्पोरेट मामलात राज्य मंत्री

बीकानेर में भरा 75 लाख से ज्यादा का मायरा

- **भाई ने बहन के तीन बच्चों को दिए 51 लाख कैश और 25 लाख के गहने**
- **राजस्थान में मायरा भरने की परंपरा रियासतकाल से चली आ रही है। इस रस्म के तहत मामा अपनी बहन के बच्चों की शादी में अपनी सामर्थ्य के अनुसार कपड़े, गहने और नकद राशि भेंट करता है।**

बीकानेर । यहां मूंडसर गांव में पिछले दिनों विवाह के दौरान एक परिवार ने भव्य मायरा भरा, जिसकी चर्चा अब तक जिलेभर में है। मूंडसर गांव में स्वरूपदेसर के कालूराम सियाग ने अपनी बहन के दो बेटों और एक बेटी की शादी में 51 लाख रुपए नगद और करीब 25 लाख रुपए के सोने के साथ मायरा भरा। बीकानेर और नागौर क्षेत्र में इसी तरह के मायरे भरने की चर्चा बनी रहती है।

नापासर के पास स्थित मुंडसर गांव में 19 तारीख को धर्मपाल मुंड के परिवार में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित हुआ। धर्मपाल किसान है। इस समारोह में उनके दो बेटों और एक बेटी की शादी हुई थी। इस अवसर पर स्वरूपदेसर निवासी कालूराम सियाग अपनी बहन का मायरा भरने पहुंचे। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उन्होंने थाल में 51 लाख रुपए नकद और करीब 25 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण दिए।

राजस्थान में मायरा भरने की परंपरा रियासतकाल से चली आ रही है। इस रस्म के तहत मामा अपनी बहन के बच्चों की शादी में अपनी सामर्थ्य के अनुसार कपड़े, गहने और नकद राशि भेंट करता है। बीकानेर अंचल में यह परंपरा कई बार भव्य रूप ले लेती है और इसे सामाजिक सम्मान से भी जोड़कर देखा जाता है। मुंडसर में आयोजित इस मायरे ने अपनी भव्यता के कारण विशेष ध्यान आकर्षित किया। समारोह में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मायरे की रकम सामने आते ही लोग मोबाइल कैमरों से वीडियो बनाने लगे। गांव और आसपास के क्षेत्रों में यह आयोजन चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

ग्रामीण अंचल में इस तरह के भव्य मायरे को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं भी सामने आती हैं। एक ओर इसे भाई-बहन के प्रेम और आर्थिक सामर्थ्य के प्रदर्शन के रूप में देखा जाता है, तो वहीं दूसरी ओर सामाजिक प्रतिस्पर्धा और बढ़ ते खर्चों को लेकर भी चर्चा होती है। फिलहाल मुंडसर का यह मायरा बीकानेर क्षेत्र में एक मिसाल के रूप में देखा जा रहा है, जिसने पारंपरिक रस्म को भव्यता के नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

अंग्रेजी विद्यालयों में तीन साल बाद भी पद मंजूर नहीं

बीकानेर । कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हिंदी से इंग्लिश मीडियम में रूपांतरित किए गए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों पर वर्तमान सरकार का फोकस नहीं है।

हालत यह है कि तीन साल बाद भी अनेक महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों के पद मंजूर नहीं हुए हैं। उधर, चयन परीक्षा में सेलेक्ट हुए लेवल वन और लेवल सेकंड के शिक्षकों को महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पद विरुद्ध पदस्थापन दे दिया गया है। ऐसे में बीकानेर सहित प्रदेश के अन्य स्कूलों में पद विरुद्ध लगे शिक्षकों के सामने वेतन की समस्या खड़ी हो गई है। दरअसल, बिना पद स्वीकृत हुए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में लगे तृतीय श्रेणी शिक्षकों की सैलरी हिंदी मीडियम स्कूलों के रिक्त पदों से बनाई जा रही है। हिंदी मीडियम स्कूल में संबंधित रिक्त पद पर अन्य शिक्षकों का पदस्थापन होने पर इंग्लिश मीडियम स्कूल के शिक्षक की सैलरी कई बार तीन से चार माह तक अटक रही है। हालत यह है की सैलरी के लिए महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों के शिक्षक को अन्य स्कूलों में रिक्त पद ढूंढ ने पड़ रहे हैं। प्रदेश में 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल संचालित हो रहे हैं। वर्ष 2023 में हिंदी मीडियम से इंग्लिशमीडियम में रूपांतरित हुए अनेक स्कूलों में अभी तक शिक्षकों के पद नहीं आए हैं। हालांकि माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से शिक्षकों के पदों के प्रस्ताव वित्त विभाग को भेज दिए गए हैं। लेकिन वित्त विभाग से अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। हिंदी मीडियम स्कूलों के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में रूपांतरित होते ही पद स्वीकृत किए जाने चाहिए। बिना पद पदस्थापन से अन्य स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होती है। वहीं शिक्षकों को भी वेतन के लिए दूसरी स्कूलों में रिक्त पदों को ढूंढ ना पड़ता है। वृंदावन एनक्लेव स्थित महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में कार्यरत 7 शिक्षकों की सैलरी अन्य हिंदी मीडियम स्कूलों से स्वीकृत की जा रही है। इस इंग्लिश मीडियम स्कूल में अभी तक शिक्षकों के पद मंजूर नहीं हुए हैं।

खाटू श्यामजी का लक्खी मेला शुरु

जयपुर / सीकर । सीकर जिले के विश्वविख्यात खाटूधाम में बाबा लखदातार श्याम का आठ दिवसीय लक्खी फाल्गुन मेले का शुभारंभ 21 फरवरी से श्रद्धा और उल्लास के साथ हो गया है। मुख्य मेला 27 फरवरी (फाल्गुन एकादशी) को आयोजित होगा, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

भव्य सजावट से सजा श्याम दरबार : फाल्गुन मेले को दिव्य और आकर्षक बनाने के लिए श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। मंदिर के सिंहद्वार पर भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मंदिर कमेटी के मंत्री मानवेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि इस बार 120 बंगाली कारीगरों द्वारा भव्य सजावट कराई गई है। परिसर में विभिन्न

देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, ताकि श्रद्धालु बाबा श्याम के साथ सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें। सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था : देशभर से आने वाले श्रद्धालु रींगस डाइवर्जन, चारण मेला मैदान, लखदातार मैदान और 40 फीट नवीन मार्ग से होकर सुगमता से बाबा श्याम के दरबार में पहुंच रहे हैं। राजस्थान पुलिस, प्रशासन और मंदिर कमेटी ने दर्शन व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। राजस्थान पुलिस द्वारा मेले में व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि मेले के दौरान त्वरित सहायता के लिए पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 के साथ ही मोबाइल नंबर 9667600788 जारी किया गया है। दोनों हेल्पलाइन 24 घंटे सक्रिय रहेंगी। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए 12 पुलिस सहायता बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां से मार्गदर्शन एवं सुरक्षा संबंधी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। श्रद्धा, व्यवस्था और सुरक्षा का संगम : फाल्गुन मेले में जहां एक ओर भक्ति और उत्साह का माहौल है, वहीं प्रशासन और पुलिस की सतर्क व्यवस्था श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम दर्शन का भरोसा दिला रही है। खाटूधाम में इस समय श्रद्धा, भव्यता और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

- **27 फरवरी (एकादशी) को मुख्य मेला, पुलिस-प्रशासन के पुख्ता प्रबंध**

राशिफल रविवार 22 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र सायं 5:55 तक, शुक्ल योग दिन 1:09 तक, बालव करण दिन 11:10 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सायं 5:55 तक है। रवियोग सायं 5:55 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:26 से 9:51 तक, लाभ-अमृत 9:51 से 12:40 तक, शुभ 2:05 से 3:40 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:02, सूर्यास्त 6:19

मेष
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन का भय समाप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

धनु
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुविधाओं में वृद्धि होगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 296 प्रभात चूरू, रविवार 22 फरवरी, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल ने कई इन्टरव्यू लिए, फिर जाखड़ को चुना एनएसयूआई के अध्यक्ष पद के लिए

क्या पायलट के बेहद करीबी विनोद जाखड़ को महत्वपूर्ण पद देकर राजस्थान कांग्रेस को कोई मैसेज देना चाहते हैं राहुल

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। राजस्थान से सचिन पायलट खेमे के माने जाने वाले विनोद जाखड़ को नेशनल स्टूडेन्ट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्हें राहुल गांधी ने कई चरणों के साक्षात्कार के बाद चुना। जाखड़ पहले राजस्थान एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं।

जाखड़ ने पूर्व में बयान दिया था कि सचिन पायलट को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। उनके चयन का एक कारण यह भी माना जा रहा है कि वे दलित समुदाय से आते हैं और राहुल गांधी के सामाजिक न्याय एजेंडे में फिट बैठते हैं।

बताया जाता है कि साक्षात्कार के दौरान गांधी ने उनसे दलितों, ओबीसी और अन्य वर्गों के सामाजिक न्याय तथा उन्हें आगे बढ़ाने के तरीकों के बारे में उनके विचार पूछे थे।

- विनोद जाखड़ की नियुक्ति के पीछे एक प्रमुख कारण उनका बेहद सक्रिय दलित नेता होना है। वे राहुल गांधी के सोशल जस्टिस एजेंडा में फिट बैठते हैं।
- एनएसयूआई के अध्यक्ष पद के लिए आयु सीमा 30 वर्ष है, पर, विनोद जाखड़ के लिए इस नियम का दरकिनार कर दिया गया है। विनोद 32 वर्ष के हैं।
- विनोद बहुत ही ऊर्जावान, जुझारू और फायर ब्रांड नेता हैं। वे जैसलमेर से जयपुर तक की बाईक यात्रा कर चुके हैं, जिसमें सचिन पायलट ने भी शिरकत की थी।
- जाखड़ को मौजूदा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा का कट्टर विरोधी माना जाता है और सूत्रों का कहना है कि डोटासरा भी जाखड़ को सख्त नापसंद करते हैं।
- देखना यह है कि यह नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस के समीकरणों में क्या बदलाव लाती है।

जाखड़ को एक ऊर्जावान, अत्यन्त सक्रिय तथा आक्रामक स्टाइल के प्रदर्शनकारी नेता के रूप में भी जाना जाता है। पार्टी नेतृत्व भाजपा के खिलाफ आक्रामक विरोध दर्ज कराने वाले नेताओं की तलाश में है और सामाजिक न्याय पर उनके विचारों के अलावा, इस दृष्टि से भी उनका चयन महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बताया जाता है कि एनएसयूआई अध्यक्ष पद के लिए यह उनका तीसरा साक्षात्कार था। इस पद के लिए तेलंगाना की एक महिला उम्मीदवार भी दावेदार थीं, लेकिन वे चयनित नहीं हो सकीं।

बताया जाता है कि सचिन पायलट ने भी उनके नाम की जोरदार सिफारिश की थी, क्योंकि वे पायलट के पक्ष में प्रदर्शन करने में आगे रहेंगे। समझा जाता है कि जाखड़ की खातिर इस पद की आयु-सीमा, 30 वर्ष, का भी ध्यान नहीं रखा गया। जाखड़ इस समय 32 वर्ष के हैं। जाखड़ ने जैसलमेर से जयपुर तक एक बाइक यात्रा भी निकाली थी, जिसमें पायलट ने भाग लिया था।

दिलचस्प बात यह है कि नए एनएसयूआई अध्यक्ष और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपराष्ट्रपति ने संविधान के तमिल और गुजराती संस्करण जारी किए

नई दिल्ली, 21 फरवरी। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय संविधान के अद्यतन तमिल और गुजराती संस्करणों का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने विधिक शब्दावली (अंग्रेजी-हिन्दी) के 8वें संस्करण का भी लोकार्पण किया।

समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर संविधान

- उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में विधिक शब्दावली का आठवां संस्करण भी जारी किया।

के इन संस्करणों का जारी होना अत्यंत हर्ष का विषय है।

उपराष्ट्रपति ने विधिक शब्दावली (अंग्रेजी-हिन्दी) के 8वें संस्करण के प्रकाशन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सरल और स्पष्ट भाषा में तैयार यह संस्करण विधायकों, विद्यार्थियों, न्यायिक अधिकारियों, शोधार्थियों, अनुवादकों और नीति-निर्माताओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत पर अमेरिकन टैरिफ 18 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत हुआ

अमेरिकन सुप्रीम कोर्ट के बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सभी देशों पर एक समान 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। डॉनल्ड ट्रम्प की व्यापक टैरिफ़ नीति के खिलाफ अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद, अमेरिका में आयातित वस्तुओं पर नया वैश्विक शुल्क लगाए जाने से भारत पर लागू टैरिफ़ दर 18 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दी गई है। यह ट्रम्प की प्रमुख आर्थिक नीति पर एक बड़ा झटका माना जा रहा है। नए टैरिफ़ आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह "लगभग तुरंत प्रभाव से" लागू होगा।

नई शुल्क दर 24 फ़रवरी से 150 दिनों के लिए लागू होगी। वाइट हाउस के तथ्यों के अनुसार, फार्मा जैसे उन क्षेत्रों को छूट जारी रहेगी, जो अलग जांच के दायरे में हैं, साथ ही "अमेरिका मैक्सिको- कैनडा समझौते" के तहत, अमेरिका में प्रवेश करने वाले सामान पर भी यह लागू नहीं होगा।

- ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की जानकारी दी और कहा कि यह तुरंत प्रभाव से लागू होगा।
- वाइट हाउस अधिकारी ने बताया कि भारत जैसे अमेरिका के ट्रेडिंग पार्टनर्स को 10 प्रतिशत टैरिफ देना होगा, भले ही पूर्व में उन्होंने इससे अधिक टैरिफ देने पर सहमति हो।
- इसी बीच खबर है कि ट्रंप ने सभी देशों पर जो 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, उसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है।

ट्रंप ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत नए टैरिफ़ लगाए हैं, जो राष्ट्रपति को अंतरराष्ट्रीय भुगतान सम्बन्धी समस्याओं से निपटने के लिए अधिभार (सरचार्ज) और विशेष आयात प्रतिबंध लगाने का अधिकार देती है।

धारा 122 के तहत, अमेरिकी राष्ट्रपति अधिकतम 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत तक अस्थायी टैरिफ़ लगा सकते हैं, यदि अमेरिका को "बड़े और गंभीर" भुगतान संतुलन घाटे का सामना करना पड़ रहा हो, अर्थात जब आयात, निर्यात से काफी अधिक हो।

वाइट हाउस ने कहा कि भारत जैसे वे देश, जिन्होंने ट्रंप के टैरिफ़ आदेश के बाद अमेरिका के साथ समझौते किए थे, उन्हें अब 10 प्रतिशत शुल्क ही देना होगा, भले ही पहले वे अधिक दरों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी आदित्यनाथ खुद को "विकास पुरुष" के रूप में प्रोजैक्ट कर रहे हैं

विकास पुरुष की छवि के साथ वे जापान और सिंगापुर की यात्रा पर रवाना हुए हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। सोच-समझकर या परिस्थितिवश, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों स्वयं को एक ऐसे "विकास पुरुष" के रूप में प्रस्तुत करने की स्पष्ट कोशिश करते दिख रहे हैं, जो राज्य की औद्योगिक संरचना को बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। रविवार को जापान और सिंगापुर की पाँच दिवसीय यात्रा पर रवाना होते हुए, योगी "जापान सिटी" और "सिंगापुर सिटी" जैसे विशेष प्रोजेक्टों का प्रस्ताव पेश करेंगे तथा उत्तर प्रदेश में आधुनिक परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की संभावनाएँ तलाशेंगे।

उनकी जापान यात्रा के कार्यक्रम में

- सूत्रों के अनुसार, योगी हिंदुत्व के पोस्टर बॉय की छवि से बाहर निकलना चाहते हैं। प्र.मंत्री मोदी के गुजरात विकास मॉडल की तर्ज पर यूपी का विकास मॉडल लाना चाहते हैं।
- सूत्रों ने बताया, यह सारी कवायद मोदी के उत्तराधिकारी की दौड़ में आगे आने के लिए है और अखिल भारतीय अपील बढ़ाने के लिए "विकास" से अच्छा कोई मुद्दा नहीं है।
- जापान व सिंगापुर में योगी "जापान सिटी" व "सिंगापुर सिटी" प्रोजैक्ट के अलावा उत्तर प्रदेश में अत्याधुनिक परिवहन सेवाएं लाने पर भी चर्चा करेंगे।

मैग्लेव (मैग्नेटिक लेविटेशन) ट्रेन की सवारी भी शामिल है, जो चुंबकीय बल की मदद से पटरियों के ऊपर तैरते हुए 600 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेवर में सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास

नई दिल्ली, 21 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश के जेवर में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट 'इंडिया चिप' का शिलान्यास किया। यह परियोजना एचसीएल और फॉक्सकॉन के संयुक्त

- प्रधानमंत्री ने उत्तर भारत की इस पहली यूनिट का शिलान्यास किया तथा कहा कि भारत दुनिया का टैक फ्यूचर है।

उद्यम के रूप में स्थापित की जा रही है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया भारत को टेक्नोलॉजी के भविष्य के केन्द्र के रूप में देख रही है और भारत सॉफ्टवेयर के साथ-साथ हार्डवेयर के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत के साथ ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं होगा'

अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मद्देनज़र कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट द्वारा अमेरिका के वैश्विक टैरिफ़ को रद्द किए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि "कुछ भी नहीं बदला है", क्योंकि "वे (भारत) टैरिफ़ देंगे और हम कोई टैरिफ़ नहीं देंगे।"

इसी बीच, कांग्रेस पार्टी ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को फिलहाल स्थगित रखने और देशहित में इसकी शर्तों पर पुनः वार्ता करने की सलाह दी।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि सरकार को स्पष्ट रूप से घोषणा करनी चाहिए कि जब तक अमेरिकी पक्ष से ठोस स्पष्टीकरण नहीं मिलता, तब तक आयात उदारीकरण नहीं किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाए कि भारतीय किसानों के हित प्रभावित न हों।

- वाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, "कुछ भी नहीं बदला है, वे (भारत) टैरिफ देंगे और हम कोई टैरिफ नहीं देंगे।
- इधर भारत में कांग्रेस पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा, भारत-अमेरिका ट्रेड डील में सरकार को मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा, जब तक अमेरिका से ठोस स्पष्टीकरण नहीं मिल जाता, तब तक अमरीकी आयात का उदारीकरण नहीं किया जाना चाहिए।
- जयराम रमेश ने यह भी पूछा कि क्या भारत सरकार को अमेरिकन सुप्रीम कोर्ट के संभावित फैसले की जानकारी थी या फिर आशंका थी कि टैरिफ रद्द हो सकते हैं, फिर जल्दबाजी में ट्रेड डील क्यों की गई।

अदालत के फैसले के तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौते में कोई बदलाव नहीं है।

वाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने कहा, "मेरा भारत के साथ संबंध शानदार है और हम भारत के साथ व्यापार कर रहे हैं... भारत रूस से तेल ले रहा था। और मेरे अनुरोध पर उसने इसे काफी कम किया, क्योंकि हम उस भयानक युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं, जिसमें हर महीने 25,000 लोग मर रहे हैं।"

भारत के साथ समझौते पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, "कुछ भी नहीं बदलेगा। वे टैरिफ़ देंगे और हम नहीं देंगे।"

उन्होंने कहा, "यह पहले की स्थिति से उलट है। जैसा कि आप जानते हैं, भारत और मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी एक महान सज्जन और महान व्यक्ति हैं, लेकिन वे अमेरिका के मुकाबले अधिक चतुर थे, वे हमें नुकसान पहुँचा रहे थे। इसलिए हमने भारत के साथ समझौता किया। अब यह एक निष्पक्ष समझौता है।"

इससे पहले पत्रकारों से बातचीत में जयराम रमेश ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा और इसे नए सिरे से वार्ता के लिए खोलने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या वे ट्रंप के इस बयान से सहमत हैं कि समझौते पर फैसले का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश ने कांग्रेस को घेरा

लखनऊ, 21 फरवरी। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस के युवाओं के शर्टलेस प्रदर्शन पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी नाराजगी व्यक्त की है।

समाजवादी पार्टी भले ही आईएनडीआईए में कांग्रेस के साथ है, लेकिन वैश्विक मंच पर उनके प्रदर्शन का विरोध किया है। अखिलेश यादव से

- सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा भले ही सरकार झूठ बोलती हो पर वैश्विक मंच पर कांग्रेस को ऐसा प्रदर्शन नहीं करना चाहिए था।

पहले शनिवार को ही बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने भी कांग्रेस की जोरदार निंदा की।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जब किसी आयोजन में दुनिया के डेलिगेट्स आए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या "रैसिप्रोकल टैरिफ" से वसूली गई राशि वापस करेगा अमेरिका?

असल में पूर्व में अमरीकी सरकार ने आश्वासन दिया था कि अगर सुप्रीम कोर्ट टैरिफ को अवैध ठहरा देगा तो पाई-पाई लौटाई जाएगी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 फरवरी। संयुक्त राज्य अमेरिका इस समय इस प्रश्न से जूझ रहा है कि क्या संघीय सरकार डॉनल्ड ट्रंप के कार्यकारी आदेशों के तहत चयनित देशों से आयात पर लगाए गए पारस्परिक टैरिफ से वसूली गई राशि वापस करेगी।

संघीय एजेंसियों ने पहले आश्वासन दिया था कि यदि अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट इन टैरिफ को अवैध ठहराता है, तो वसूली गई पाई-पाई उन लोगों को लौटा दी जाएगी, जिन्होंने इसे अदा किया। इसका अर्थ दो-चरणीय वापसी प्रक्रिया हो सकता है।

ऐसा पहली बार नहीं होगा। इससे पहले 1998 में भी सुप्रीम कोर्ट ने कुछ टैरिफ को अवैध घोषित किया था और वसूल किये गये टैरिफ की वापसी की गई थी। हालांकि उस समय राशि बहुत कम थी, 1998 में 73.8 करोड़ डॉलर की वसूली हुई थी, जबकि इस बार तथाकथित "लिबरेशन डे" टैरिफ के बाद यह राशि लगभग 134 अरब डॉलर बताई जा रही थी।

- कहा जा रहा है कि टैरिफ की वापसी दो चरणों में हो सकती है। पहले तो उन कॉरपोरेट संस्थाओं को टैरिफ लौटाया जाएगा, जिन्होंने प्रारंभिक रूप से टैरिफ दिया था फिर उन अंतिम उपभोक्ताओं को जिन्होंने ऊंची कीमतों के रूप में टैरिफ का भार उठाया था।
- टैरिफ वापसी पहली बार नहीं होगी, 1998 में भी ऐसा हो चुका है, जब सुप्रीम कोर्ट ने कुछ टैरिफ अवैध घोषित कर दिए थे, पर, तब यह राशि बहुत अधिक नहीं थी।
- विशेषज्ञों का कहना है कि टैरिफ की वापसी में लम्बा समय लग सकता है। हालांकि आज के डिजिटल युग में संभव है कि थोड़ा कम समय लगे।
- इसी बीच भारत में चर्चा है कि अमरीकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भारत पर क्या असर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मत है कि सभी देशों पर एक समान टैरिफ लगाना भारत के लिए प्रतिकूल हो सकता है। कई देशों जैसे चीन की तुलना में भारत पर कम टैरिफ था इसलिए भारतीय निर्यात को लाभ मिलता था, जो अब नहीं मिल पाएगा।

टैरिफ की वापसी दो चरणों में करनी होगी, पहले उन कॉरपोरेट संस्थाओं को, जिन्होंने प्रारंभिक रूप से टैरिफ अदा किया, और फिर अंतिम उपभोक्ताओं को, जिन्होंने ऊँची कीमतों के रूप में इसका भुगतान किया। इन सभी घटकों को अलग-अलग करके अनुपात के अनुसार मुआवज़ा देना होगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रक्रिया को पूरा होने में वर्षों लग सकते हैं और विभिन्न संस्थाओं को देय सटीक राशि निर्धारित करने के लिए भारी मात्रा में आँकड़ों का विश्लेषण करना पड़ेगा। हालांकि आज के डिजिटल भुगतान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एआई इम्पैक्ट का समापन

नई दिल्ली, 21 फरवरी। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के घोषणा पत्र पर दुनिया के 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने सहयोगात्मक, विश्वसनीय, लचीले एवं कुशल एआई के लिए एक साझा वैश्विक दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए हस्ताक्षर किए। इसमें

- 86 देशों सहित यूरोपियन यूनियन व अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास फंड ने संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए।

एआई के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने वाले सभी वैश्विक मंच, सिद्धांत और सहयोगात्मक तंत्र की 7 घोषणाएं हैं। साथ ही सम्मेलन के माध्यम से भारत ने समानता, पहुंच और वैश्विक सहयोग में निहित 'सभी के लिए एआई' के आव्हान का नेतृत्व किया है।

संयुक्त घोषणा पत्र पर अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, जापान, दक्षिण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाधान की ओर

अजमेर। शहर में जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के समाधान की दिशा में सकारात्मक प्रगति हुई है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर वार्ताओं का दौर तेज हुआ है और सर्वसम्मत समाधान की संभावना बढ़ी है। विधानसभा अध्यक्ष ने इस संबंध में संभागीय आयुक्त एवं नगर निगम प्रशासक शक्ति सिंह राठौड के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में कर्मचारियों की मांगों, शहर की स्वच्छता व्यवस्था तथा आमजन को हो रही असुविधा पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। निर्देश दिए गए कि समस्या का समाधान संवाद और संवेदनशीलता के साथ निकाला जाए तथा कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा करते हुए शहर की सफाई व्यवस्था शीघ्र सामान्य की जाए। शहर में विभिन्न वार्डों में जमा कचरे के निस्तारण के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों और संसाधनों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सफाई कार्य को तेज गति से प्रारंभ करने की कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे निकट भविष्य में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी उचित मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि नागरिकों को मूलभूत सेवाओं में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कार से जेवर, नगदी चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के एम्स अस्पताल के सामने खड़ी एक कार से अज्ञात चोर नगदी और जेवरात चोरी कर ले गया। कार का गेट खोलकर वारदात को अंजाम दिया गया। कार में रखे बैग से जेवरात और नगदी को निकाला और बैग को वहीं पर छोड़ गया। बासनी थाने में इस बाबत रिपोर्ट दी गई। घटना 19 फरवरी दिन की है। बासनी पुलिस ने बताया कि ब्यावर जिले के अरिहंत नगर शोभापुर डूंगरी रोड निवासी रेखा शर्मा पत्नी गोपाल पंचारिया की तरफ से यह रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि उनकी रिश्तेदार एम्स अस्पताल में भर्ती है। इसके लिए वह 19 फरवरी को जोधपुर अपनी कार लेकर आई थी। यहां एम्स अस्पताल के सामने कार को सुबह पार्क कर उनसे मिलने अस्पताल के अंदर चली गई। वापिस लौटी तब पता लगा कि ड्राइवर सीट के पास में रखा बैग खुला था और उसमें रखे दो ढाई लाख रूपए चोरी कर लिए गए। किसी शख्स द्वारा कार का गेट खोलकर वारदात को अंजाम दिया है। बासनी पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

चोरी का आरोपी 15 घंटे में गिरफ्तार

फुलेरा। पुलिस थाना फुलेरा ने राजकीय उपजिला अस्पताल में चोरी की वारदात करने वाले आरोपी को मात्र 15 घंटे में गिरफ्तार कर 28 हजार रुपये नकद बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि शुक्रवार 20 फरवरी को परिवादी बलवीर गुर्जर निवासी बाघपुरा थाना नरेना ने थाना फुलेरा में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 19 फरवरी को वह उपजिला चिकित्सालय फुलेरा में दवाई लेने के लिए लाइन में खड़ा था। इसी दौरान दो युवक उसके पीछे आकर खड़े हो गए और उसकी जेब में रखे 35 हजार रुपये में से 28 हजार रुपये निकालकर फरार हो गए।

पीएम श्री विद्यालयों की प्रगति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

जयपुर। राजस्थान शिक्षा विभाग की तकनीक-संचालित शैक्षिक पहलों को वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। गेट्स फाउंडेशन के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने तिजारा ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बुरहेड़ा का भ्रमण कर राज्य में संचालित एआई आधारित ओरल रीडिंग फ्लूएंसी मूल्यांकन प्रक्रिया का अवलोकन किया। यह मूल्यांकन 'प्रखर राजस्थान 2.0' के अंतर्गत पठन कौशल के सटीक आकलन और सीखने के स्तर में सुधार हेतु लागू किया गया है।

भ्रमण के दौरान निदेशक माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा सीताराम जाट ने प्रतिनिधिमंडल को राज्य में लागू डिजिटल शिक्षण मॉडल, कक्षा-केंद्रित नवाचारों तथा पीएम श्री विद्यालयों के अंतर्गत विकसित किए जा रहे उत्कृष्ट अधोसंरचना और गतिविधि-आधारित शिक्षण वातावरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एआई आधारित

गेट्स फाउंडेशन के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने तिजारा ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बुरहेड़ा का भ्रमण किया।

- **गेट्स फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने किया शिक्षा विभाग की गतिविधियों का अवलोकन**

ओआरएफ मूल्यांकन से विद्यार्थियों के पठन कौशल का डेटा-आधारित विश्लेषण संभव हो रहा है, जिससे शिक्षण रणनीतियों को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद कर ओआरएफ प्रक्रिया को समझा तथा बच्चों के पठन कौशल का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने पीएम श्री विद्यालयों में विकसित हो रही डिजिटल सुविधाओं, स्मार्ट कक्षाओं और नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों की प्रगति की सराहना की, जो भविष्य उन्मुख शिक्षा मॉडल की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही हैं। अवलोकन के दौरान यह भी सामने आया कि तकनीकी समाधान, क्षमता निर्माण कार्यक्रम और डिजिटल सामग्री के उपयोग से कक्षा शिक्षण अधिक सहभागितापूर्ण एवं परिणामोन्मुख बन रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी, आत्मविश्वास और सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। गेट्स फाउंडेशन की ओर से प्रतिनिधिमंडल में लीड ग्लोबल एजुकेशन बेंजामिन पाइपर, डिप्टी डायरेक्टर ग्लोबल एजुकेशन इनोवेशन एवं कंट्री इम्प्लीमेंटेशन जोनाथन स्टर्न तथा सतीश मेनन शामिल रहे।

गोपनीय कार्यों एवं नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण

अजमेर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ ने शनिवार शाम बोर्ड कार्यालय पहुंचकर परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्यों और नियंत्रण कक्ष की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने अवगत कराया कि परीक्षा सामठी परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित रूप से पहुंचाई जा रही है तथा परीक्षा उपरांत उत्तर पुस्तिकाएं गोपनीय पद्धित से मूल्यांकन के लिए भेजी जा रही हैं। परिवहन की विशेष व्यवस्था की गई है और सभी जिलों में परीक्षा निर्बाध रूप से जारी है। निगरानी के लिए निगरानी कैमरे, केंद्रीय नियंत्रण कक्ष और उडनदस्तों की व्यवस्था की गई है। प्रशासक ने नियंत्रण कक्ष में स्थापित दूरभाष लाइनों के माध्यम से की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली और स्वयं व्यवस्थाओं का परीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा संबंधी किसी भी कार्य में लापरवाही न बरती जाए और सभी प्रक्रियाएं पूरी निष्पक्षता तथा संवेदनशीलता के साथ संपादित हों।

सार-समाचार

मर्डर-डकैती करने वाली गैंग के 9 को उम्रकैद

भरतपुर (निस)। भरतपुर की विशिष्ट न्यायाधीश डकैती प्रभावित क्षेत्र कोर्ट ने छहमारु गैंग के 9 सदस्यों को उम्रकैद और 60 हजार रुपए जुर्माना लगाया है। 9 में से 4 आरोपी जेल में हैं और 5 अभी भी फरार हैं। इससे पहले हत्या और डकैती के मामलों में आरोपी आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। आरोपियों ने साल 2019 में भरतपुर में 2 मर्डर और 2 डकैती और मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। पब्लिक प्रोसिक्यूटर उमाशंकर शर्मा ने बताया कि लक्ष्मण सिंह निवासी तुहिया ने 23 जुलाई 2019 को उद्योग नगर थाने में एफआईआर दर्ज करवाते हुए बताया था कि 22 जुलाई 2019 मैं अपने तुहिया गांव में ही था। मेरे पिता टोंटपुर इलाके स्थित मकान से फोन कर बताया कि करीब 5 बदमाश घर में घुसकर लूटपाट कर ले गए हैं और, तेरी मां शीला के साथ मारपीट कर गए हैं। जो गंभीर रूप से घायल हैं। लक्ष्मण का भाई राकेश कुमार तुरंत अपने पिता के मकान पर पहुंचा। वहां पर शीला देवी घायल हालत में पड़ी थी। घर का सारा सामान फैला हुआ था। राकेश को उसके छोटे भाई की पत्नी ने बताया कि शीला देवी और राकेश का बेटा अतुल घर के बाहर वाले कमरे में सो रहे थे। आशा अपनी बेटी तन्नू के साथ अंदर वाले कमरे में सो रही थी। जब शीला के चिल्लाने की आवाज आई तो, आशा तुरंत कमरे में गई। वहां पर 5 बदमाश शीला से मारपीट कर रहे थे। बदमाशों ने शीला देवी के गले, हाथ पैरों से सोने चांदी के गहने निकाल लिए, जब आशा ने शोर मचाया तो, बदमाशों ने आशा से भी मारपीट की थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद उद्योग नगर थाना पुलिस ने साल 2020 में आरोपियों को पकड़ा। जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया। मामला कोर्ट में चला कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ 121 दस्तावेज और 24 गवाह पेश किये गए। पब्लिक प्रोसिक्यूटर उमाशंकर शर्मा ने बताया कि आज न्यायाधीश गुंजन गोयल ने मामले में 9 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा और 60 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। 4 आरोपियों आरिफ निवासी मुरादाबाद, नाजिम निवासी बदायूं, नदीम निवासी मुरादाबाद, सलमान निवासी बरेली को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। वहीं अभी पांच आरोपी फरार हैं।

हादसे में दो युवकों की मौत

नदबई भरतपुर (निस)। हलैना सड़क मार्ग पर पीली के पास शनिवार शाम शाम करीब 5 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक बाइक पर सवार होकर हलेना से नदबई की ओर आ रहे थे, तभी रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। दोनों को हलेना 108 एंबुलेंस से पहुंचाया हलेना अस्पताल डॉक्टरों ने दोनों को किया मृत घोषित। थाना अधिकारी अरुण सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान विजय सिंह निवासी भदीरा थाना नदबई तथा ओमप्रकाश निवासी गंगरसोली थाना कुम्हेर के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों मृतकों को मोर्चरी में रखवाया।

फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

पावटा। जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रागपुरा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब 8 वर्षों से फरार स्थाई वारंटी लीलाराम कंजर को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि जिले के सभी थानाधिकारियों को वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे।

परीक्षा के दौरान छात्रा की तबीयत बिगड़ी

अजमेर। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय छीपाबड़ौद में बोर्ड परीक्षा के दौरान एक छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सूचना मिलते ही बोर्ड प्रशासन ने तत्काल चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई।

छात्रा परीक्षा कक्ष में प्रश्न पत्र हल कर रही थी, तभी उसे रक्तचाप संबंधी समस्या हो गई। परीक्षा ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों ने तुरंत स्थिति संभालते हुए नियंत्रण कक्ष को सूचना दी। उस समय सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ परीक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे थे। उन्होंने तुरंत संबंधित उपखंड अधिकारी से दूरभाष पर संपर्क कर आवश्यक निर्देश दिए। उपखंड अधिकारी अभिमन्यु सिंह कुंतल तथा तहसीलदार सुरेंद्र गुर्जर ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए। विद्यालय में तत्काल चिकित्सक को बुलाकर छात्रा को प्राथमिक उपचार दिलाया गया। उपचार के बाद उसकी स्थिति में सुधार हुआ।

रेगिस्तान से सटे बॉर्डर पर युद्धाभ्यास कल से

- **महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज में हवा से टारगेट को मिटाएंगे**

बीकानेर। भारतीय सेना की वेस्टर्न कमांड के खड़गा कोर की ओर से 23 फरवरी को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में 'एक्स खड़गा शक्ति 2026' के तहत व्यापक मल्टी-डोमेन युद्धाभ्यास आयोजित किया जाएगा।

शाम 5 बजे से आर्टिलरी सेक्टर के पॉइंट 223 (वेस्ट कैंप) में शुरू होने वाले इस अभ्यास में सेना की आधुनिक युद्ध क्षमता, प्रिसीजन फायर पावर और संयुक्त ऑपरेशनल समन्वय का प्रदर्शन किया जाएगा। सेना की ओर से से हो रहे इस प्रदर्शन में भारत की सेना का शौर्य दिखाया जाएगा। युद्ध के समय जवानों की तैनाती, रणनीति और एक के बाद एक हमले की तैयारी को प्रदर्शित किया जाएगा। बीकानेर के महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज में आमतौर पर विदेशी सेनाओं के साथ अभ्यास होता है। इस बार ये अभ्यास भारतीय सेना का ही है। इस दौरान पूरे ऑपरेशन की रूपरेखा और तैनाती की जानकारी दी जाएगी। सभी जवान बतायेंगे कि वे युद्ध के समय कैसे ऑपरेशन को अंतिम रूप देते हैं। आधुनिक स्वॉर्म ड्रोन तकनीक के जरिए लक्ष्य क्षेत्र में सामूहिक कार्रवाई की झलक दिखाई जाएगी।

तोपखाना यूनिट्स तीव्र फायरिंग कर दुश्मन की स्थिति को कमजोर करने की रणनीति प्रदर्शित करेंगी। इस दौरान तोपों की गरज साफ सुनाई देगी। ये तोप रेत के धोरों पर बड़ी आसानी से चढ़ेंगी और दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों पर फायर करेंगे। आर्मर्ड एवं मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री युद्धक्षेत्र में मूवमेंट और फायर का प्रदर्शन करेंगी। इस दौरान भी सेना के तोप दौड़ते नजर आएंगे। एक नियत समय में तोपों को तय दूरी तक पहुंचना होगा। वहां से पॉजिशन लेकर टारगेट पर निशाना साधना होगा। सटीक हमले की आधुनिक तकनीक का उपयोग कर लक्ष्य साधे जाएंगे। 'खड़गा शक्ति 2026' के तहत ड्रोन, अटैक हेलीकॉप्टर, आर्टिलरी, आर्मर्ड यूनिट्स और इन्फेंट्री के संयुक्त संचालन की झलक दिखाई जाएगी।

यह अभ्यास भविष्य के युद्ध परिदृश्य में मल्टी-डोमेन ऑपरेशन की तैयारी और सेना की ऑपरेशनल तत्परता को दर्शाता है। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में होने वाला यह आयोजन सेना की तकनीकी दक्षता और सामरिक क्षमता का महत्वपूर्ण प्रदर्शन माना जा रहा है।

फरार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर। शहर के हाथीपोल थाना पुलिस ने चरस तस्करी मामले में चार वर्ष से फरार आरोपी को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया।

पुलिस महानिरीक्षक उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के तहत जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा,पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव के सुपरविजन में हाथीपोल थानाधिकारी राजुदेवी के नेतृत्व में एएसआई शंभूसिंह मय टीम ने प्रकरण संख्या 680/2022 एनडीपीएस एक्ट सुखेर मामले में चार वर्ष से फरार आरोपी नवीनसिंह पुत्र देवेन्द्रसिंह निवासी भटवारी उत्तरकाशी उत्तराखंड को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया।

उक्त मामले में पूर्व में चन्द्रशेखर ने आरोपी नवीनसिंह से कुल 4.5 किलों अवैध चरस को ऋषिकेश उत्तराखंड से खरीद कर लाना बताया था। आरोपी नवीन फरार था।

नवलगढ़ में पीएनबी गोल्ड लोन घोटाले का बड़ा खुलासा

- **पुलिस ने मामले में अब तक आरोपियों के पास से 1 किलो 555 ठाम सोने के आभूषण बरामद किए हैं। बरामद सोने की बाजार कीमत करीब 2 करोड़ 32 लाख रुपये आंकी गई है। तत्कालीन शाखा प्रबंधक अमित जांगिड़ ने बैंक में 214 फर्जी गोल्ड लोन खाते खोलकर करीब 8.78 करोड़ रुपए का गबन किया।**
- **214 फर्जी खातों पर 8.78 करोड़ का हुआ था गबन, छह और गिरफ्तार**

नवलगढ़, (निसं)। पंजाब नेशनल बैंक शाखा में हुए फर्जी गोल्ड लोन और गोल्ड चोरी के मामले का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में छह आरोपी और गिरफ्तार किए है। जिसके बाद मामले में अब गिरफ्तार आरोपियों की संख्या आठ हो गई है।

पुलिस पहले ही इस मामले में मुख्य आरोपी पूर्व बैंक मैनेजर व उसके साथी बैंक के ही एडहॉक सदस्य सहित कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने मामले में अब तक आरोपियों के पास से 1 किलो 555 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए हैं। बरामद सोने की बाजार कीमत करीब 2 करोड़ 32 लाख रुपये आंकी गई है। अब तक की जांच में सामने आया है कि जांच में सामने आया कि तत्कालीन शाखा प्रबंधक अमित जांगिड़ ने बैंक में 214 फर्जी गोल्ड लोन खाते खोलकर करीब 8.78 करोड़ रुपए का गबन किया। आरोपी ने बैंक का एडहॉक सदस्य बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट संचालित करने वाले संतोष सैनी के साथ मिलकर फर्जी खातों के जरिए गोल्ड लोन स्वीकृत किए। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपी असली सोने के आभूषण स्ट्रॉन्ग रूम से निकालकर उनकी जगह नकली आभूषण रख दिए जाते थे और खाताधारकों के ओटीपी प्राप्त कर लोन राशि निकाल ली जाती थी। मुख्य आरोपी पूर्व बैंक मैनेजर अमित जांगिड पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

उसे पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। संतोष सैनी को भी पुलिस ने पहले ही दबोच लिया था। अब पुलिस ने मामले में शामिल अन्य छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में गुढा गौड़जी थाना इलाके के डूडी नगर ढ ाणियां भोड़की निवासी 40 वर्षीय ओमप्रकाश पुत्र बीरबलराम जाट, नवलगढ़ थाना इलाके के कोलसिया निवासी 29 वर्षीय संदीप कुमार पुत्र जुगलकिशोर जाट, गुढा गौडजी थाना इलाके के बड की ढाणी निवासी 32 वर्षीय सुनिल कुमार पुत्र अनूपचन्द जाट, नवलगढ़ थाना इलाके के ढाका की ढाणी निवासी 30 वर्षीय सुनिल सुण्डा पुत्र ताराचंद सुण्डा, नवलगढ़ थाना इलाके के बलजी की ढाणी निवासी 40 वर्षीय रमेश सैनी पुत्र मल्लाराम सैनी तथा ठाकुरवाली ढाणी सैनीनगर निवासी 32 वर्षीय धीरज सैनी पुत्र ओमप्रकाश सैनी शामिल हैं। आपको बता दें कि 1 फरवरी 2026 को पंजाब नेशनल बैंक नवलगढ़ शाखा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक मुकेश सिहाग ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 28 जनवरी 2026 को गोल्ड सेफ की जांच के दौरान कई पैकेटों से छेड़छाड़ और असली सोने की जगह नकली आभूषण मिलने का मामला सामने आया। बैंक में गोल्ड सेफ द्वि-नियंत्रण प्रणाली से संचालित होता है, जिसकी संयुक्त जिम्मेदारी तत्कालीन शाखा प्रबंधक अमित जांगिड और अन्य अधिकारी के पास थी। जिसके बाद एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में एएसपी देवेन्द्र सिंह राजावत, एएसपी क्यूआईडीटी फूलचंद मीणा तथा नवलगढ़ डीएसपी महावीर सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी अजय सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। डीएसटी और साइबर सेल की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों की संपत्तियों की जांच कर रही है। मामले में शामिल अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

5 हजार रुपये का इनामी आरोपी पकड़ा

फुलेरा। फुलेरा थाना पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने के मामले में फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी वांछित शातिर नकबजन मुन्नु उर्फ सेवाराम को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत 21 दिसंबर 2025 को परिवादी किशनलाल जाट निवासी ग्राम सामलपुरा हाल निवासी 49, अनुविहार कॉलोनी, जोबनेर रोड फुलेरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि 18 दिसंबर 2025 को घर पहुंचने पर मुख्य द्वार एवं कमरों के ताले टूटे मिले तथा घर का सामान बिखरा हुआ था। अज्ञात चोर एलईडी टीवी, चांदी की अंगूठियां, गले की चेन, अन्य घरेलू सामान और 5 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। इस संबंध में थाने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूर्व में पुलिस द्वारा दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया जा चुका है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई, टीम ने आसूचना संकलन एवं तकनीकी सहायता से कार्रवाई करते हुए आरोपी मुन्नु उर्फ सेवाराम सोनी (29) निवासी बड़ा बाजार, गोरधनजी मंदिर के सामने, सांभरलेक को डिटेन कर बाद में गिरफ्तार किया।

शिल्पग्राम में 'ऋतु बसंत' उत्सव में सजी शास्त्रीय सांझ

- **गुलजार के वायलिन और उमर के दिलरुबा का छाया जादू**
- **कविता के ओडिसी नृत्य में शिव व कामदेव के प्रसंग हुए जीवंत**

उदयपुर। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से से शिल्पग्राम में चल रहे तीन दिवसीय 'ऋतु वसंत' उत्सव के दूसरे प्रसिद्ध वायलिन वादक गुलजार हुसैन और दिलरुबा वादक ने कर्नाटक संगीत पद्धित के राग हंस ध्वनि में जुगलबंदी कर शास्त्रीय संगीत के रसिकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। वहीं, कविता द्विवेदी एंड ग्रुप ने ओडिसी नृत्य में शिव-सती और कामदेव के प्रसंगों को मुक्ताकाशी मंच पर जीवंत कर माहौल में क्लासिकल के साथ-साथ आध्यात्मिकता के रंग भी घोल दिए, जो दर्शकों के दिल को छू गए।

देश-विदेश में अपने संगीत से छा चुके जयपुर के वायलिन वादक गुलजार हुसैन और प्रदेश के ख्यातनाम दिलरुबा वादक मोहम्मद उमर ने वायलिन-दिलरुबा की दिमाग से दिल तक उतरी जुगलबंदी पेश कर शिल्पठााम में शनिवार शाम संगीतमयी बना दिया। इस कर्णप्रिय जुगलबंदी में इन मशहूर मूसीकारों (संगीतकार) ने कर्नाटक संगीत का सुमधुर राग हंस ध्वनी के विभिन्न अंगों को पेशकर श्रोताओं के दिलों को छू लिया

इन्होंने आलाप के बाद राग हंस ध्वनी की पहली बंदिश मध्यलय झपताल 10 मात्रा में प्रस्तुत की तो शास्त्रीय संगीत के रसिक वाह-वाह कर उठे। फिर जब इस राग की बहुत प्रसिद्ध बंदिश 'लागी लगन सखी पति संग...' मध्यलय तीन ताल में पेश की। इस बंदिश के दौरान शिल्पग्राम सुधी श्रोताओं की करतल ध्वनि से कई बार गूंज उठा। पेशकश के अंतमें जब इन्होंने दिलरुबा, वायलिन ओर तबले की द्रुतलय में जुगलबंदी की तो इसमें कई जगह मुक्ताकाशी मंच तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इनके साथ तबले पर मेराज हुसैन और ज़यान हुसैन ने संगत करते हुए प्रस्तुति के दौरान कई जगह पर वाहवाही लूटी।

इसके साथ ही मशहूर कथक नृत्यांगना कविता द्विवेदी के निर्देशन में ओडिसी नृत्य की तीन भावपूर्ण कड़ियां प्रस्तुत की गईं।

रोहित गोदारा गैंग का तीसरा गुर्गा गिरफ्तार

पिलानी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

- **कॉलेज संचालक से मांगी थी 2 करोड़ की फिरौती**

जयपुर/झुंझुनूं (निसं)। झुंझुनू जिले की पिलानी थाना पुलिस ने संगङ्गित अपराध के खिलाफ एक और बडी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने कुख्यात रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय सदस्य ललित उर्फ लिता को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक कॉलेज संचालक को जान से मारने की धमकी देकर 2 करोड़ रुपये की भारी-भरकम फिरौती की मांग की थी। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही सलाखों के पीछे भेज चुकी है।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि घटना 14 सितंबर 2025 की है, परिवादी संजीव कुमार के पास विदेशी नंबरों से कॉल आने शुरू हुए। डरे हुए परिवादी ने अनजान नंबर होने के कारण पहले कॉल नहीं उङ्गाए, लेकिन 24 सितंबर को कॉल उङ्गाने पर सामने वाले ने खुद को रोहित गोदारा ग्रुप का सदस्य बताया। इसके बाद वॉट्सएप पर वॉइस रिकॉर्डिंग भेजकर 2 करोड़ रुपये की मांग की गई। धमकी यहीं नहीं रुकी; बदमाशों ने चैट के जरिए मैसेज भेजा कि अगर समझौता नहीं किया तो जल्द ही तुझे और तेरे परिवार को ङ्केकेदार (मार देना) बना देंगे। एसपी उपाध्याय के निर्देशन और पिलानी थानाधिकारी चंद्रभान के नेतृत्व में गङ्गित विशेष टीम ने इस जटिल मामले की जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने करीब कड़ी मशक्कत के बाद पहले इस गैंग के दो गुर्गों विकास उर्फ दुबे और अजय उर्फ पहलवान को गिरफ्तार किया था। उनसे हुई पूछताछ के बाद तीसरे आरोपी ललित उर्फ लिता का नाम सामने आया, जिसे अब पुलिस ने शिकंजे में ले लिया है। आरोपी ललित उर्फ लिता पुत्र जसवंत (28) निवासी स्वामी सेही पहले से ही अन्य मामलों में झुंझुनू जेल में बंद था। पिलानी पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया और गहन पूछताछ के बाद उसे इस प्रकरण में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से गैंग के नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में आरोपी से गैंग के नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर। सुखेर थाना पुलिस एवं एटीएस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कार बरामद की।

महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर 'ऑपरेशन त्रिनेत्र' के अन्तर्गत जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी भरत योगी की टीम एटीएस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर नाकाबंदी के दौरान कार को रोक तलाशी ली तो उसमें रखी 06.013 किलोग्राम अवैध गांजा मिला।

41 किलो 627 ग्राम अवैध डोडा पोस्त चूरा जब्त

पावटा। महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज, जयपुर द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रागपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 41 किलो 627 ग्राम अवैध डोडा पोस्त चूरा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान के सुपरविजन एवं वृताधिकारी विराटनगर उमेश निठारवाल के निर्देशन एवं थानाधिकारी भजनाराम के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार गठित विशेष टीम ने डीएसटी टीम से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 41 किलो 627 ग्राम डोडा चूरा बरामद किया। मौके से आरोपी रामकुंवार स्वामी (42) पुत्र भवर राम, निवासी ढाणी रामसागर तन भूरी भडाज, थाना प्रागपुरा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ को गिरफ्तार कर लिया गया।

जयपुर में पर्यावरण संरक्षण एवं अर्थव्यवस्था सुदृढ़ीकरण का पर्याय बन रहा "लिसोड़ा"

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी पहल एवं पारदर्शी, परिणामोन्मुख शासन की प्रतिबद्धता के तहत राज्य में एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति अभियान को नई गति मिली है। इसी क्रम में जयपुर जिले में लिसोड़ा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए जिला प्रशासन द्वारा बहुआयामी एवं संरचित प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ीकरण का भी प्रभावी माध्यम बन रही है।

कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में संचालित यह अभियान स्थानीय जैव-विविधता के संरक्षण, हरित आवरण विस्तार तथा आजीविका सृजन की दृष्टि से मील का पत्थर सिद्ध हो रहा है। अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर प्रथम विनीता सिंह ने बताया कि वन विभाग की नर्सरियों में अन्य पौधों के साथ 1 लाख 20 हजार लिसोड़ा पौधे तैयार कर जुलाई से सितम्बर

जयपुर जिले में लिसोड़ा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए जिला प्रशासन द्वारा बहुआयामी प्रयास किए जा रहे है।

- **कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में संचालित यह अभियान स्थानीय जैव-विविधता के संरक्षण में मील का पत्थर सिद्ध हो रहा है।**

2025 के मध्य जिले में वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त 485 पंचायत पौधशालाओं में भी लिसोड़ा के पौधे विकसित कर रोपित किए गए हैं।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि पंच-गौरव योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 90 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस योजना के तहत संरक्षण, पौधरोपण एवं जागरूकता गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल दिया जा रहा है। फ्लेक्स, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा विजुअल एड्स के माध्यम से आमजन को लिसोड़ा की उपयोगिता एवं महत्त्व से अवगत कराया जा रहा है। स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों को अभियान से जोड़ने के लिए 10 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

सरकार के 2 साल के कामकाज पर चर्चा के बजाय कांग्रेस का सदन में हंगामा व वॉकआऊट

विपक्ष की नारेबाजी और विरोध के कारण स्पीकर को पांच बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में शनिवार को सरकार के दो साल के कामकाज के प्रतिवेदन पर चर्चा के बजाय विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। विपक्ष ने ''दो साल बनाम पांच साल'' पर बहस कराने की मांग की, जबकि सत्ता पक्ष केवल 2 साल के प्रतिवेदन पर चर्चा कराने पर अडा रहा। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद इतना बढ़ा कि कांग्रेस विधायक वैल में आ गए और नारेबाजी करने लगे। देखते हुए देखते हंगामा और विवाद इतना बढ़ा कि स्पीकर वासुदेव देवनानी को सदन की कार्यवाही 5 बार स्थगित करनी पड़ गई। नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष से किसी विधायक ने सदन में चर्चा नहीं की, जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवाब देते हुए कांग्रेस को घेरा तो विपक्षी विधायक करीब 20 मिनट में ही सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके बाहर चले गए।

■ नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष के किसी विधायक ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया, मुख्यमंत्री ने जवाब देते हुए कांग्रेस को घेरा तो 20 मिनट में ही सदन की कार्यवाही का बहिष्कार करके बाहर चले गए

दरअसल शनिवार को संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा में सरकार के 2 साल के कार्यकाल के प्रतिवेदन पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आपत्ति जताते हुए कहा कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) में ''पांच साल बनाम दो साल'' पर बहस कराने का निर्णय हुआ था। केवल 2 साल के प्रतिवेदन पर चर्चा करना तय व्यवस्था के खिलाफ है। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने विपक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने गत 5 फरवरी को मुख्यमंत्री के सदन में बयान का हवाला देते हुए कहा कि बहस ''2 साल बनाम 5 साल'' पर चर्चा करवाने की सीएम ने घोषणा की थी। यहां इस प्रस्ताव से मुख्यमंत्री की बेइज्जती हो रही है। जब मुख्यमंत्री की बात की ही वैल्यू नहीं है तो फिर हमारा क्या मतलब है? डोटासरा के इस बयान के कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लंबी नोकझोंक हुई। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल पटेल और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा के बीच नोकझोंक होने के बाद भारी हंगामा हुआ। इसी बीच कांग्रेस विधायकों ने वैल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी।हंगामे के बीच कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने एक-दूसरे पर बहस से भागने का आरोप लगाया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार के मंत्री बहस से भागकर इसका इल्जाम हम पर डालना चाहते हैं। बहस करें तो ''5 साल बनाम 2 साल'' का प्रस्ताव रखिए, केवल 2 साल का ही प्रस्ताव क्यों रखा? हंगामे के बीच मंत्री अविनाश गहलोत और जवाहर बेढ़म ने कहा कि कांग्रेसी कायर हैं, ये बहस से भागना चाहते हैं। इस दौरान कांग्रेस विधायक वेल में नारेबाजी करते रहे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामे के बीच 3 बजकर 27 मिनट पर सदन की कार्यवाही को आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया।

इसके बाद सदन की कार्रवाई दोबारा आधे घंटे के लिए 4 बजकर 37 मिनट तक स्थगित कर दी गई। इसके बाद कार्यवाही तीसरी बार 5 बजे तक के लिए स्थगित की गई। शाम 5 बजे कार्यवाही शुरू होने पर भी हंगामा जारी रहा। इस दौरान स्पीकर ने भाजपा विधायक अतुल भंसाली का नाम बहस के लिए पुकारा, लेकिन शोरगुल के बीच 9 मिनट बाद ही सदन को 5:45 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। तत्पश्चात 5:45 बजे सदन की कार्यवाही फिर से शुरु होने पर विपक्ष का हंगामा नहीं रुका तो विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यवाही पांचवीं बार 6 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद जैसे ही पुनः सदन की कार्यवाही शुरू हुई और कांग्रेस का हंगामा बरकरार रहा तो स्पीकर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नाम चर्चा के लिए पुकारा। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस के कार्यकाल पर जमकर कटाक्ष करते हुए उनके कार्यकाल को जीरो बताया। उन्होंने यहां तक कहा कि, कांग्रेस के पास कोई जवाब नहीं है, अगर इस चर्चा में पूर्व मुख्यमंत्री भाग लेने आते तो बात बनती। परंतु कांग्रेस ने कुछ काम किया ही नहीं तो चर्चा किस पर करें। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि विपक्ष के लोगों ने हमें चुनौती दी थी, उस चुनौती को हमने स्वीकार किया। उसी के तहत सदन में प्रस्ताव लाया गया। कांग्रेस का तो कॉलम ही खाली है। हमने दो साल के कार्यकाल में ही संकल्प पत्र 2023 के कुल 352 बिंदुओं में 285 बिंदुओं की क्रियान्वित कर ली है। पूर्व सीएम मैदान में आकर बहस करते तो पता लगता कि पांच साल बनाम दो साल क्या होते है।

सीएम ने कहा कि, कांग्रेस राज के काम जीरो है, ये बहस क्या करेंगे, इनके राज के कामों के कॉलम खाली हैं। अगर ये काम करते तो देश में से ऐसे नहीं सिमट जाते। जिस तरह से इन्होंने काम किया है। इन्होंने केवल भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के लिए कुछ नहीं किया। इसी बीच कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री के जवाब के बीच में ही 20 मिनट तक हंगामा करने के बाद सदन का बहिष्कार करके बाहर चले गए।

अमूल ब्रांड की 30 हजार किलो एक्सपायरी सामग्री नष्ट करवाई

जयपुर । सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम द्वारा खो नागोरियान में मैसर्स एथलीट डिस्ट्रीब्यूटर पर की गई कार्यवाही में सीज किया गया अमूल ब्रांड के एक्सपायरी नूडल्स, केच अप, म्योनीज एवं सॉस को नष्ट करवाने की कार्यवाही की गई। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि फर्म मालिक गगन आहूजा ने नगर निगम द्वारा जारी नष्टीकरण की स्वीकृति आदेश पेश किए गए। जिस पर शनिवार टीम को भेज कर छह ट्रकों में अवधिपार सामग्री को भरकर मथुरादास कचरागाह ले जाकर नष्ट करवाया गया। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि ने भी मौके पर पहुंचकर अवधिपार माल की तस्दीक कर अमूल ब्रांड का होना सत्यापित किया। गौरतलब है कि टीम द्वारा पिछले दिनों 181 पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पर कार्यवाही में अमूल ब्रांड की लगभग 30 हजार किलो एक्सपायरी खाद्य सामग्री पकडी थी। जिसमें अमूल ब्रांड के अलग अलग पैकिंग के सॉसेज,म्योनीज,एनर्जी ड्रिंक,केच अप आदि के पैकेट्स जो अवधिपार हो गए थे उनकी डेट मिटाकर नई डेट प्रिंट करने की तैयारी थी। टीम ने गोदाम को सील कर दिया था । जिसे खुलवाकर नष्टीकरण की कार्यवाही की गई। टीम द्वारा गोदाम का निरीक्षण किया गया। जिसमें अवधिपार सामग्री की मात्रा और भी अधिक पाई गई । जिसे उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार सोमवार को नष्ट किया जाएगा। तब तक के लिए गोदाम को पुनः सील कर दिया गया है। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान, राजेश नागर, नंद किशोर कुमावत,अवधेश गुप्ता एवं राजेश नागर शामिल रहे।

डॉ. लीलाधर का एकल कविता पाठ

जयपुर । जनसम्पर्क मित्र की और से शनिवार को यहाँ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में कवि डॉ. लीलाधर दोचानिया का एकल काव्य पाठ आयोजित किया गया। उन्होंने अपने नव प्रकाशित कविता संग्रह जिंदगी मुस्कुराती रहे में से अपनी चुनिंदा कविताओं का वाचन किया। मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत उनकी कविताएं सराही गई। इस अवसर पर ईश्वर माथुर, बाल मुकुंद ओझा, अलका सक्सेना, वीना करमचंदानी, रेणु जुनेजा, रवि गोस्वामी, गोविन्द शर्मा और राजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

एसकेआईटी कॉलेज में वार्षिकोत्सव संपन्न

जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का छह दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव प्रवाह, कॉलेज के वार्षिक समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मेटाक्यूब सॉफ्टवेयर के सह-संस्थापक पारिजात अग्रवाल ने की और इन्फोसिस लिमिटेड के ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर मनन गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात संस्थान के अध्यक्ष सुरजा राम मील, निदेशक जयपाल मील और निदेशक (अकादमिक) प्रो. एस.एल. सुराणा ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कामयाबी की परिभाषा केवल सफलता मिलना नहीं होता, विनम्रता के साथ जीवन जीना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर कॉलेज के रजिस्ट्रार रचना मील, प्राचार्य-प्रो. रमेश कुमार पचार, वाईसचेयरमैन अनिल बाफना, डीन डॉ आर के जैन समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हुए। प्रो. सुराणा ने संस्थान की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसमें इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने नृत्य, नाटक एवं गायन की शानदार प्रस्तुतियां से पूरे माहौल को कल्चरल एक्टिविटीज के रंग में सराबोर कर दिया। सांस्कृतिक संध्या में नवरस की थीम पर आधारित नृत्य शिव तांडव, ऑपरेशन सिंदूर और नाटकों की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें श्रृंगार, करुणा, वीर, हास्य, वीभत्स, अद्भुत, भयानक, रौद्र और शांत रस का प्रदर्शन किया गया।

नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयपुर । दर्शक संस्था द्वारा आयोजित 36वीं महेंद्र भट्ट स्मृति अखिल भारतीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता के तीसरे दिन उपशास्त्रीय नृत्य, बॉलीवुड नृत्य एवं लोक नृत्य की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जो भारतीय बैले शैली के जनक उदय शंकर को समर्पित रहीं। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने भाव-भंगिमाओं, लयात्मक गतियों और मंचीय अनुशासन के साथ मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों एवं निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी दिन दोपहर 2 बजे से वरिष्ठ वर्ग की गायन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने शास्त्रीय एवं सुगम गायन की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से सुर-साधना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

वाजपेयी पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन शनिवार को नई दिल्ली में हुआ।

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय संस्कृति के शिखर राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने कहा कि मैं वह अत्यंत सौभाग्यशाली हूं कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को निकट से देखने और उनके साथ समय बिताने का अवसर प्राप्त हुआ। अटलजी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने अपने विचारों, आचरण और कार्यों से लोकतंत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर आधारित पहली कॉफी टेबल बुक का विमोचन शनिवार को नई दिल्ली के डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ में हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. आशिम कुमार घोष तथा प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ डॉ. एम. एम. जोशी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल प्रो. आशिम कुमार घोष एवं डॉ. एम. एम. जोशी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उल्लेखनीय है कि यह कॉफी टेबल बुक अटल बिहारी वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन, सुशासन, कूटनीतिक दृष्टि एवं साहित्यिक व्यक्तित्व को चित्रों एवं दुर्लभ दस्तावेजों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से महिला की मौत

जयपुर। हरमाड़ा इलाके में शनिवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सड़क किनारे खड़े महिला और उसके भतीजे को टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली एक बाइक, पतासी के ठेले और दो बिजली के खंभों को भी तोड़ते हुए जा घुसी। चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। थानाधिकारी उदय यादव ने बताया कि हरमाड़ा थाने के सामने नानकी और उसका भतीजा मुकेश बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान पैर में दर्द होने के कारण नानकी की बहन पीछे-पीछे पैदल आ रही थी। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे टोडी मोड़ की ओर से पत्थरों से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली आई। सामने आ रही एक कार को बचाने के प्रयास में चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। बेकाबू ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खड़ी नानकी और उसके भतीजे मुकेश को जोरदार टक्कर मारते हुए एक बाइक और पतासी के ठेले को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद वाहन दो बिजली के पोल तोड़ते हुए जाकर रुका। हादसे में नींदड़ मोड़ निवासी नानकी देवी (60) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मुकेश सैन (28) गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जयपुर में 42.87 लाख मतदाता

जयपुर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में 27 अक्टूबर 2025 को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। इसके अंतर्गत 4 नवंबर से 11 दिसंबर 2025 तक गणना चरण सम्पन्न हुआ तथा 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जयपुर जिले में उस समय कुल मतदाताओं की संख्या 42 लाख 87 हजार 103 थी। आयोग के कार्यक्रमानुसार 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे-आपत्तियाँ प्राप्त की गईं। इस अवधि में जयपुर जिले में कुल 1 लाख 57 हजार 431 फॉर्म-6/6, 21,436 फॉर्म-7 तथा 47,834 फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों की।

राजस्थान में 'होमस्टे योजना-2026' लागू

पर्यटन और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिलेगा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' और 'ईज ऑफ लिविंग' की अवधारणा को जमीनी स्तर पर लागू करते हुए पर्यटन क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत प्रदेश में 'राजस्थान होमस्टे (पेइंग गेस्ट हाउस) योजना-2026' को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यटन) प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के विजन के अनुरूप यह योजना पर्यटन विकास, ग्रामीण आय में वृद्धि और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के डिरेगुलेशन 2.0 उपायों और 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' की भावना के अनुरूप योजना को सरलीकृत किया गया है।

योजना के तहत होमस्टे खोलने की प्रक्रिया को पहले की तुलना में अधिक सरल, तेज और किफायती बनाया गया है। अब सिंगल-विंडो सिस्टम, कम दस्तावेज और आसान पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध होगी। पहले जहां कई विभागों की अनुमति और अधिक कागजी कार्यवाही करनी पड़ती थी, अब लाइसेंस प्रक्रिया को कम कर डिजिटल और समयबद्ध स्वीकृति की व्यवस्था की गई है।

नई व्यवस्था के अनुसार राज्य के निवासी अपने घर या संपत्ति के कुछ कमरों को पर्यटकों के ठहरने के लिए उपलब्ध करा सकेंगे। इससे छोटे निवेशक, ग्रामीण परिवार और महिला उद्यमी सीधे पर्यटन गतिविधियों से जुड़ सकेंगे। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय लोगों को अतिरिक्त आय का स्त्रोत मिलेगा और पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति और जीवनशैली का अनुभव मिलेगा।

योजना के तहत प्रति आवासीय इकाई अनुमत कमरों की अधिकतम संख्या पांच से बढ़ाकर आठ कर दी गई है, जबकि अधिकतम 24 बेड की अनुमति होगी। इससे आवास क्षमता बढ़ेगी, लेकिन होमस्टे का पारिवारिक स्वरूप भी सुरक्षित रहेगा।

पूर्व में लागू वह शर्त, जिसके तहत संपत्ति स्वामी या परिवार के सदस्य का उसी परिसर में निवास अनिवार्य था, अब समाप्त कर दी गई है। अब संचालन संपत्ति स्वामी, लीजधारी या निर्धारित मानकों के अनुसार नियुक्त केयरटेकर द्वारा किया जा सकेगा।

पंजीकरण प्रक्रिया को शीघ्र ही पूर्णतः ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन मिलने के सात कार्य दिवस के भीतर अस्थायी पंजीकरण जारी किया जाएगा, जिससे संचालन प्रारंभ किया जा सकेगा। तीन माह के भीतर निरीक्षण के बाद स्थायी पंजीकरण प्रदान किया जाएगा, जिसकी वैधता दो वर्ष होगी। यदि निर्धारित समय में प्रमाणपत्र जारी नहीं होता है, तो आवेदन स्वतः पंजीकृत माना जाएगा।

पंजीकरण पर्यटन विभाग के स्थानीय कार्यालयों और पर्यटक स्वागत केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकेन्द्रीकृत क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। योजना के अनुसार प्रत्येक होमस्टे रिहायशी परिसर में संचालित होगा और प्रत्येक किराये के कमरे में अटैच बाथरूम, स्वच्छता, जल एवं विद्युत आपूर्ति, वेंटिलेशन और अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य होगा। विदेशी पर्यटकों की सूचना संबंधित प्राधिकरण को देना और अतिथि पंजिका का सात वर्ष तक संधारण भी आवश्यक होगा।

हथियार लेकर घूम रहे स्कोर्पियो सवार दो बदमाश पकड़े

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने बस्सी थाना इलाके में ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो में हथियार तस्करी करने की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सीएसटी ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो देसी कट्टा, 10 कारतूस व 2 खाली कारतूस बरामद किए है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि बस्सी थाना इलाके में दो बदमाश स्कॉर्पियो में अवैध हथियार की सप्लाई करने की फिराक में घुम रहे है। सूचना के बाद सीएसटी ने बस्सी में नाकाबंदी की। नाकाबंदी में स्कॉर्पियो की तलाशी लेने पर उसमें से दो देसी कट्टा, 10 कारतूस व 2 खाली कारतूस बरामद हुए। साथ ही पुलिस टीम ने आरोपित अनिल कुमार उर्फ सुखा (21) निवासी दादनपुरा धौलपुर और लोकेश उर्फ निवासी अखैपुरा को दबोच लिया।

डिफाल्टर बिल्डर के ऋण की वसूली पूर्व में आवंटित फ्लैट्स से नहीं कर सकते : रेरा

जयपुर (कासं)। रेरा ने एक फैसले में कहा कि लोन से पूर्व आवंटित फ्लेट्स से डिफाल्टर बिल्डर के लोन की वसूली नहीं की जा सकती। इसके साथ बिल्डर कम्पनी के खिलाफ दिवालिया कानून में कार्रवाई के चलने के दौरान भी रेरा बिल्डर कंपनी के निदेशकों व भू-स्वामी के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। रेरा की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने यह आदेश आवंटियों की संस्था एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन के प्रार्थना पत्र पर दिया।

■ रेरा की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने यह आदेश आवंटियों की संस्था एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन के प्रार्थना पत्र पर दिया।

रेरा ने माना कि जमीन मालिक, बिल्डर के साथ प्रोजेक्ट की शुरूआत से ही सहभागी रहे हैं, उसने बिल्डर की ओर से प्राप्त राशि में से अंश राशि भी ली है। एनसीएलटी में दिवालिया कानून के तहत कार्रवाई शुरू होने पर बिल्डर कंपनी ने रेरा में आवंटियों की कार्रवाई को खत्म करने का प्रार्थना पत्र लगाया था। वहीं आवंटियों की ओर से अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने कहा कि कहा कि बिल्डर ने उनसे करोडों रुपए लेने के बाद भी प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया और उसने इस राशि को खुर्द-बुर्द कर दिया।

वहीं वित्तीय कंपनी ईसीएल से मिलीभगत कर पूरी इमारत को लोन के लिए गिरवी रख दी। आवंटियों को 12 साल बाद भी न तो फ्लैट का कब्जा मिला है और न ही उनके पैसे वापस किए। इसलिए बिल्डर का प्रार्थना पत्र खारिज करें। दरअसल बिल्डर कम्पनी मैसर्स जीआरजे डिस्ट्रीब्यूटर्स व डवलपर्स ने साल 2012 में भिवाडी में एवलोन रॉयल पार्क आवासीय प्रोजेक्ट का काम शुरू किया। इसमें 1200 से ज्यादा फ्लैट्स बनने थे और निर्माण 2017 तक होना था। बिल्डर ने 700 से ज्यादा फ्लैट्स का बेचान 2012 से 2016 के दौरान आवंटियों को किया। वहीं आवंटियों से करीब 300 करोड रुपए लेकर भी पूरा प्रोजेक्ट विकसित नहीं किया। इसके बाद साल 2018 में बिल्डर ने पूरे प्रोजेक्ट को ही ईसीएल फाइनेंस को 50 करोड रुपए में गिरवी रख दिया। जिस पर ईसीएल की ओर से इनवेन्ट एसिट नाम की कम्पनी ने एनसीएलटी में लोन की वसूली की याचिका दायर की।

पतंजलि विश्वविद्यालय में ''योगधर्म से युगधर्म'' थीम पर वार्षिकोत्सव

पतंजलि विश्वविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक एवं शैक्षिणक महोत्सव ''अभ्युदय 2026'' का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

हरिद्वार (कासं)। हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक एवं शैक्षिणक महोत्सव ''अभ्युदय 2026'' का आयोजन अत्यंत गरिमा, आध्यात्मिक उल्लास और राष्ट्रगौरव के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन प्राचीन गुरुकुल परंपरा और आधुनिक शिक्षा के सजीव समन्वय का प्रतीक बनकर उभरा। इस वर्ष अभ्युदय कार्यक्रम की थीम ''योगधर्म से युगधर्म'' रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने ''योगधर्म से युगधर्म'' नाट्य प्रस्तुति से अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी विद्यार्थियों को पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब उस पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हैं जो पूरी दुनिया का संस्कृति का सबसे बड़ा केंद्र है। आप सभी इस ऋषि संस्कृति के ध्वजवाहक बनकर इस अनुष्ठान को आगे बढ़ा रहे है। नाट्य प्रस्तुति देखकर उन्होंने कहा कि आज एक षड्यंत्र के तहत विश्वगुरु भारत को लेकर कई भ्रामक रील्स चल रही हैं, लेकिन भारत विश्वगुरु था, है और हमेशा विश्वगुरु रहेगा। वो शक्ति, शौर्य, वीरता, पराक्रम और हृदय की विकल्ता कि विकल्प रहित संकल्प, अखण्ड-प्रचण्ड पुरुषार्थ, बड़ी सोच, कडी मेहनत और पक्के इरादे के साथ चरैवेति-चरैवेति हम आगे बढ़ेंगे और भारत को इसका खोया हुआ गौरव दिलाकर रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द मुनि महाराज ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय एक अद्वितीय साधना-स्थली है। योग केवल वैश्विक लोकप्रियता का विषय नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण का आधार है। पतंजलि विश्वविद्यालय एक संकल्प है जिसमें स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण महाराज का तप निहित है। यह तो अभी शुरूआत है, यह यात्रा बहुत लम्बी चलेगी। आध्यात्मिक मार्गदर्शिका साध्वी भगवती सरस्वती, विशिष्ट अतिथि संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बृजभूषण ओझा और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. श्रीनिवास वरखेड़ी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे। कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने नाट्य प्रस्तुति के सफल आयोजन के लिए साध्वी देवप्रिया का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्य वक्ता के रूप में सनातन संस्कृति के उद्घोषक महामण्डलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद ने कहा कि इन दोनों महापुरुषों ने योग-आयुर्वेद को विश्व पटल पर पहुँचाया। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय की कुलानुशासिका एवं मानविकी संकायाध्यक्षा साध्वी देवप्रिया, स्वामी एम. लाल महाराज, परमार्थ निकेतन ऋषिकेश से आध्यात्मिक मार्गदर्शिका साध्वी भगवती सरस्वती, आचार्यकुलम् की उपाध्यक्षा बहन ऋतम्भरा, पतंजलि क्रय समिति की अध्यक्षा बहन अंशुल, संप्रेषण विभागाध्यक्षा बहन पारूल, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय की डीन डॉ. शिवानी, लाल महाराज, कुलपति डॉ. दिनेश शास्त्री, आई.ए.एस. प्रशांत राय, प्रति कुलपति डॉ. मयंक अग्रवाल, पतंजलि योग समिति के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी भाई राकेश कुमार एवं स्वामी परमार्थ देव, हरियाणा योग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य, मुख्य महाप्रबंधक ब्रिगेडियर टी.सी. मल्होत्रा, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, आचार्यकुलम् की प्राचार्या डॉ. स्वाति, पतंजलि हर्बल डिविजन की विभागाध्यक्षा डॉ. वेदप्रिया आर्य, ओडीएल निदेशक डॉ. सत्येन्द्र मित्तल उपस्थित रहे।

चारागाह जमीन आवंटन पर 400 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप

केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने सदन में कहा कि ''पिछली कांग्रेस सरकार में बीसलपुर विस्थापितों को मुआवजे के नाम पर चारागाह भूमि आवंटित की गई, लेकिन बाद में वही जमीन कांग्रेस नेताओं के चहेतों के नाम कर दी गई।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के केकड़ी से विधायक शत्रुघ्न गौतम ने पिछली कांग्रेस सरकार पर चारागाह जमीन के गलत आवंटन के जरिए 400 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। विधानसभा में शनिवार को उन्होंने कहा कि बीसलपुर विस्थापितों को मुआवजे के नाम पर चारागाह भूमि आवंटित की गई, लेकिन बाद में वही जमीन कांग्रेस नेताओं के चहेतों के नाम कर दी गई। गौतम ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों ने इसका विरोध किया, लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई।

■ गौत्तम ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के करीबियों के नाम 400 से अधिक रजिस्ट्रियां की गईं और तबादले के बाद तहसीलदार ने रात में कार्यालय खोलकर रजिस्ट्रियां कीं। इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।''

उन्होंने कहा कि चारागाह की जमीन नियमों के तहत दी ही नहीं जा सकती थी, फिर भी मुआवजे के नाम पर उसका आवंटन किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ड्रॉप कर दिया। विधायक गौतम ने केकड़ी क्षेत्र में बाइपास निर्माण को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान बाइपास को इस तरह घुमाया गया कि जिन स्थानों पर कांग्रेस नेताओं की जमीनें थीं, वहां से मार्ग निकाला गया।

उनके अनुसार, कांग्रेस नेताओं के करीबियों के नाम 400 से अधिक रजिस्ट्रियां की गईं और तबादले के बाद तहसीलदार ने रात में कार्यालय खोलकर रजिस्ट्रियां कीं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

'पेपरलीक व भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी की सी.बी.आई. जांच हो'

भारतीय आदिवासी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा में नारेबाजी कर पोस्टर लहराए

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । विधानसभा में राजस्व की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायकों ने सदन में नारेबाजी की और पोस्टर लगाए। बीएपी विधायकों ने पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग की। बीएपी विधायकों ने सीबीआई जांच की मांग वाली टीशर्ट पहन रखी थी।

बीएपी विधायकों ने बेरोगजारों को न्याय दिलाने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर नारेबाजी की। नारेबाजी कर रहे बीएपी विधायकों से कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि मेरे साढू डोटासराजी को सुनाओ। साढू बहरे हो गए, इन्हें सुनाई नहीं दे रहा। कुछ देर नारेबाजी के बाद माहौल शांत हो गया।

इससे पहले बीएपी विधायक थावरचंद ने कहा कि यहां पर मंत्री डॉ. किरोडीलाल बैठे हैं। इन्होंने कांग्रेस राज में खूब धरने दिए। आपने बेरोजगारों को न्याय का भरेसा दिया था। आपकी सरकार आने पर आपसे उम्मीद थी कि बेरोजगारों से अन्याय करने वाले चोरों को जेल भेजेंगे, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में धांधली की सीबीआई जांच होनी चाहिए। बहस के बाद राजस्व विभाग की अनुदान मांगें पारित कर दी गई।

16 विद्यार्थियों का कक्षा 12 के साथ सरकारी कृषि महाविद्यालय में चयन

नवलगढ़, (निसं)। सरस्वती सीनियर सैकंडरी स्कूल बलवंतपुरा के कृषि विज्ञान के विद्यार्थियों ने कक्षा 12 के साथ ही जेट परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुए 16 विद्यार्थियों ने विभिन्न सरकारी कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश लिया है। इन विद्यार्थियों का विद्यालय प्रांगण में स्वागत व सम्मान किया गया। विद्यार्थियों व अभिभावकों को दुपट्टा, मोमेंटो, वॉलवाच व अम्ब्रेला देकर व मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान में विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने व कक्षा 12 के साथ जेट व आईसीआर में सफलता के लिए राजेन्द्र धायल को 9100 रूपए का चैक प्रदान किया गया। इसके साथ ही छात्रा लक्षिका व अभिषेक जाखड को कक्षा 10 से कक्षा 12 में 25 प्रतिशत से अधिक अंक वृद्धि व कक्षा 12 के साथ जेट में सफलता के लिए क्रमश: 5000 व 3100 रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। विद्यालय निदेशक बीरबल सिंह गोदारा ने बताया कि स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में प्रिया पूनियां ने प्रवेश पाकर बड़ी सफलता प्राप्त की। राजकीय कृषि महाविद्यालय फतेहपुर में परमजीत सिंह, दशरथ यादव, भोमसिंह व रोहित पूनियां को प्रवेश मिला है। राजकीय कृषि महाविद्यालय मंडावा में हेमंत शर्मा व युवरा ढाका को प्रवेश मिला है। कृषि कॉलेज चिड़ावा में राजेंद्र धायल, कृषि कॉलेज डीडवाना में लक्षिका, कृषि कॉलेज भरतपुर में पायल कुमारी, कृषि कॉलेज डूंगरपुर में साक्षी कुमारी, कृषि कॉलेज सवाईमाधोपुर में अभिषेक जाखड़, कृषि कॉलेज उदयपुर में रोनक कुमारी, कृषि कॉलेज तारानगर में निखिल चौधरी, कृषि कॉलेज अलवर में कल्पना कुमारी व कृषि कॉलेज बाड़मेर में स्नेहा कंवर को प्रवेश मिला है। उन्होंने बताया कि जेट परीक्षा 2025 में 20 से अधिक विद्यार्थियों ने अच्छे अंक प्राप्त किए। जो कि सरकारी कृषि महाविद्यालय में प्रवेश मेरिट से अधिक अंक थे उनमें से उपरोक्त विद्यार्थियों ने सरकारी महाविद्यालय में प्रवेश लिया है। इस सफलता के लिए सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों व स्टाफ को बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने इसे विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों का सहयोग व शैक्षिक टीम की मार्गदर्शन का परिणाम बताया। इसके अलावा पूर्व सत्रों के भी 10 से अधिक विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त करते हुए विभिन्न कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश लिया है। जिनमें से इस अवसर पर नेहा, कृष्णा, खुशी सैनी, उषा सैनी व आशीष का भी सम्मान किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य हेमंत दाधीच ने बताया कि विद्यालय के विद्यार्थी हर प्रतियोगी परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर रहे हैं। कक्षा 12 के शानदार बोर्ड परीक्षा परिणाम के साथ में बडी संख्या में विद्यार्थियों का जेट परीक्षा में सफलता प्राप्त करना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। विद्यालय का क्लास रूम टू कॅरियर प्रोग्राम इस सफलता में सहायक सिद्ध हुआ है। विद्यालय प्रशासनिक अधिकारी कीर्तिमान गोदारा ने बताया कि कक्षा 12 के साथ प्रतियोगी परीक्षा में सफलता विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता की उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। पिछले सत्रों से लगातार कक्षा 12 के साथ सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थी शानदार परिणाम हासिल कर रहे हैं। गौरतलब है कि विद्यालय के दो विद्यार्थियों ने हाल में जारी जेईई परीक्षा परिणाम में 98 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। इस अवसर पर विद्यालय में खुशी का माहौल रहा।

310 युवाओं ने रक्तदान किया

नवलगढ़, (निसं)। जिला अस्पताल के पास बिरजूराम खेदड परसरामपुरा की पुण्यतिथि पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर आयोजन समिति के विक्रम सिंह खेदड ने बताया कि मौजूद लोगों व अतिथियों ने बिरजूराम खेदड के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि अर्पित करके शिविर का शुभारंभ किया। सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक चले शिविर में 310 युवाओं ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश कटेवा, युवा नेता मिलन चौधरी, मुकेश रणवां, महिपाल पूनियां, विकास शेशमां टेकेदार, सरपंच करणीराम, राजू खेदड, सुरेश गुर्जर, राजेश खेदड, राजकुमार खेरवा, बबलू सुंडा, महेंद्र रोलन, हिमांशु पूनियां, महेंद्र गुर्जर, वीरेंद्र डांगी सहित बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने शिविर में सहयोग किया।

'भारत को अपमानित करने की कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को सोची समझी साजिश'

सीकर, (निसं)। भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड ने नई दिल्ली में हुई एआई ईंपैक्ट समिट में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा निर्वस्त्र होकर प्रदर्शन करने की घोर निंदा की है। एक बयान जारी कर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में हुई अन्तर्राष्ट्रीय एआई ईंपैक्ट समिट में जहां 30 देशों के 300 से अधिक प्रदर्शक शामिल हुए। वहीं कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा अपने नेता राहुल गांधी के उकसावे पर की गई यह घिनौनी हरकत कांग्रेस पार्टी के पूर्ण वैचारिक पतन को उजागर करती है। जिलाध्यक्ष बाटड ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नवाचार, प्रगति और राष्ट्र निर्माण के लिए खड़ा है जबकि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस केवल व्यवधान, बाधा और नकारात्मकता का प्रतीक बन गई है। कहा कि इससे यह स्पष्ट है कि कांग्रेस ने एआई ईंपैक्ट समिट को बदनाम करने की साजिश बहुत पहले रच ली थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के इशारे पर लोगों को इकट्ठा किया गया और उन्हें शिखर सम्मेलन के लिए पंजीकृत कराया और फिर इस अपमानजनक कार्य के लिए उकसाया गया। कहा कि इस घिनौनी हरकत करने वाले चार कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है। कहा कि कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा इस तरह की हरकत करने का एकमात्र कारण है कि राहुल गांधी अपने कार्यकर्ताओं के साथ भारत को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकते। जिलाध्यक्ष बाटड ने कहा कि भारत की सफलता का विरोध करना और उसकी सुरक्षा पर सवाल उठाने का कांग्रेस का पुराना ट्रेक रिकॉर्ड रहा है। कहा कि जी 20 शिखर सम्मेलन का नेतृत्व जब भारत कर रहा था तब भी कांग्रेस के पास केवल आलोचना ही थी। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर में सेना का भी अपमान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे शहरों में अक्सर बम धमाके होते थे, आज भारत जी20 और एआई ईंपैक्ट समिट जैसे वैश्विक सम्मेलनों की मेजबानी कर रहा है। यह एक ऐसा बदलाव है जिसे कांग्रेस स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा बाधा डालने की कोशिशों के बावजूद भी यह ऐतिहासिक आयोजन रहा है। इस समिट में शामिल प्रत्येक राष्ट्राध्यक्ष, एआई विशेषज्ञों और शीर्ष कंपनियों के सीईओ ने भारत की पहल, तकनीकी नवाचार और नेतृत्व की सराहना की है।

सुजडौला में उमड़ा आस्था का सागर, रासलीला आकर्षण का केंद्र बनी

पिलानी, (निसं)। बाबा मढी धाम सुजडौला में आयोजित संत दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर आस्था का अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। दूर-दराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड के चलते पूरा कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। संत-महात्माओं की निरंतर उपस्थिति और भजनों की मधुर ध्वनि ने आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक आनंद कृष्ण व्यास ने व्यासपीठ से भगवान के विभिन्न अवतारों का मार्मिक वर्णन करते हुए भक्त प्रहलाद की अटूट भक्ति, हिरण्यकश्यप के अहंकार के अंत और भगवान नरसिंह के प्राकट्य का प्रेरक प्रसंग सुनाया। कथा के दौरान भक्तों को यह संदेश दिया गया कि भगवान सदैव अपने सच्चे भक्तों की रक्षा करते हैं और अहंकार का विनाश निश्चित है। उन्होंने भगवान वामन अवतार की कथा में राजा बलि के दंभ को तीन पग भूमि मांगकर समाप्त करने का प्रसंग सुनाया। वहीं समुद्र मंथन की कथा के माध्यम से देवासुर संग्राम और अमृत प्राप्ति का भावपूर्ण वर्णन किया। भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीलाओं में पूतना वध और कृष्ण जन्मोत्सव का वर्णन होते ही पंडाल में भक्तों ने खडे होकर जयकारों के साथ उत्सव मनाया। जिससे वातावरण कृष्णमय हो गया। रात्रिकालीन रासलीला में महिलाओं और बच्चों की विशेष भीड़ उमड़ी। सजीव झांकियों ने सभी का मन मोह लिया और श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहे। समाजसेवी एवं भाजपा नेता महेश बसावतिया ने बताया कि पूरे आयोजन का संचालन बाबा आकाशगिरी के नेतृत्व में सुचारू रूप से किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न गांवों के श्रद्धालु सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए आगंतुक संतों ने इसे क्षेत्र का भव्य और अनुकरणीय धार्मिक आयोजन बताया। भागवत कथा के आगामी दिनों में भी इसी प्रकार भक्तों की उपस्थिति रहने की संभावना जताई जा रही है।

भागवत कथा को सुदामा चरित्र वर्णन के साथ विश्राम दिया

झुंझुनूं, (निसं)। धर्मप्रेमी विनोद कुमार पुजारी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत रूप से समापन व्यासपीठ से श्रीहरिशरण जी महाराज ने भागवत कथा में सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए विश्राम दिया। श्रीमद्भागवत कथा में व्यासपीठ से कथा मर्मज्ञ संत हरिशरण महाराज ने कथा में सातों दिवस विस्तार से संगीतमय कथा सुनाते हुए सुलामा चरित्र में बताया कि किस प्रकार भगवान अपने बचपन के साखा सुदामा का उद्धार करते हैं। इस अवसर पर उनके द्वारा गाए गए भजनों पर श्रोता भक्तों ने नाचकर गाकर खुशियां मनाई। इस अवसर पर श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था के ट्रस्टी डॉ. डीएन तुलस्यान एवं श्रवण केजडीवाल ने आयोजक विनोद पुजारी एवं कुंदन सिंगोदिया के सानिध्य में महाराज श्री का शॉल, दुपट्टा एवं साफा ओढाकर माल्यार्पण के साथ प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत अभिनंदन भी किया। कथा के मुख्य आयोजक विनोद कुमार पुजारी ने बताया कि झुंझुनूं के भगवत प्रेमी व दूर दूर से आ रहे परिवार के स्वजन व रिश्तेदारो ने कथा सत्संग का आनंद लिया। कथा सत्संग में आनंद लेने व व्यवस्था बनाने में श्रोताओं में दिनेश ढंढारिया, कुंदन सिंगडोदिया, कुंजबिहारी वशिष्ठ, सुमन, शशि वशिष्ठ, निर्मला ढंढारिया, परमेश्वर हलवाई, सुभाष जालान, निर्मल मोदी, श्रवण केजडीवाल, डॉ. डीएन तुलस्यान, प्रदीप पाटोदिया, रुपेश तुलस्यान, शिवचरण पुरोहित, सुरेंद्र कुमार शर्मा, गोपाल कृष्ण गुप्ता, आचार्य पंडित शास्त्री विकेश शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, गोविंद पुजारी, कपिल पुजारी, रोहित (सोनू पुजारी), कलश कुमावत, लक्ष्मीकांत अग्रवाल, मुरारी जांगिड, राजेंद्र शर्मा, सुनिल शर्मा, मुकेश शर्मा सहित अन्य जन बडी संख्या में उपस्थित रहे।

गुरूकुल के लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। रोरू बड़ी में ओम शिव गोरक्ष गौशाला व आश्रम में नंदीशाला लोकार्पण एवं गुरुकुल के भूमि पूजन समारोह एवं आदियोगी प्रतिमा के अनावरण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर संत कमलनाथ महाराज एवं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल लक्ष्मणगढ़ प्रखंड के संयुक्त तत्वावधान में हिंदू सम्मेलन एवं दंड दीक्षा कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाल योगी रुपनाथ महाराज महंत गोरख टीला गोगामेडी उपस्थित थे। संत रूपनाथ महाराज ने अपने आशीर्वचन में सामाजिक सरोकार के कार्यो एवं हिंदुओं की घटती जनसंख्या पर चिंता जताई।महंत कमलनाथ महाराज ने शस्त्र और शास्त्र की आवश्यकता बताते हुए समरसता के भाव से भारत के परम वैभव पर पहुंचने की बात बताई। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के धर्माचार्य संपर्क की प्रांत टोली के सदस्य रतन सिंह बगडी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तनों के विषय में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा ने सनातन धर्म व हिंदू संस्कृति की महती आवश्यकताओं पर प्रकाश डालते हुए सभी को दंड दीक्षा की प्रतिज्ञा दिलवाई। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद सीकर के कोषाध्यक्ष अमन कामदार ने वर्तमान में हिंदू समाज के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताते हुए धर्मांतरण, लव जिहाद एवं अवैध घुसपैठ के बारे में विस्तृत रूप से बताया।इस अवसर लक्ष्मणगढ़ प्रखंड अध्यक्ष रामपाल कुमावत ने संगठन की रीति-नीति करवाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सुरजन नाथ महाराज घाणा, कृष्ण नाथ महाराज लक्ष्मणगढ़, सुंदरनाथ महाराज बाला का बास, योगी कंवरनाथ महाराज, योगी मुकेशनाथ महाराज सुरजगढ़, कृष्णनाथ महाराज भिवानी,ओमनाथ महाराज गोरख टीला, निवास सरपंच कोटपूतली, सुभाष ढाका भूमा बडा, देवीसिंह मील, पंचायत समिति सदस्य खुमाराम ढाका पंकज शर्मा सहित अनेक संत व सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन, जिले में कुल 21,63,449 मतदाता

सीकर (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 27 अक्टूबर 2025 को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम घोषित किया गया था, जिसके अन्तर्गत 4 नवम्बर 2025 से 11 दिसम्बर 2025 तक गणना चरण के दौरान सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण का कार्य सम्पन्न किया गया है। गहन पुनरीक्षण कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 2272712 थी, जिनको गणना प्रपत्र वितरित किए गए थे। जिले में गणना चरण के दौरान कुल 2128862 मतदाताओं द्वारा अपने गणना प्रपत्र भरकर जमा करवा दिए गए है, जिनका नाम 16 दिसम्बर 2025 को जारी प्रारूप मतदाता सूची में सम्मिलित कर प्रारूप प्रकाशन किया गया था। प्रारूप प्रकाशन के पश्चात अनमैप्ड मतदाताओं तथा तार्किक विसंगतीयों के मतदाताओं को कुल 4,46,101 नोटिस जारी कर उनकी सुनवाई के दौरान 2727 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किए गए है। आज अंतिम प्रकाशन के दौरान कुल मतदाता 2163449 हो गए है। उन्होंने बताया कि 16 दिसम्बर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की गई जिसमें कुल 47984 मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म 6 प्राप्त हुए, जिनका नाम विहित प्रक्रिया के पश्चात कुल 41853 मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया। कुल 7675 मतदाताओं के फॉर्म 7 प्राप्त हुए जिनका विहित प्रक्रिया के तहत निस्तारण कर कुल 7266 मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से नाम विलोपित किया गया। साथ ही आज सेवा नियोजित मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया है, जिले में कुल 17076 सेवा नियोजित मतदाता है, जिसमें से कुल 16503 पुरुष मतदाता है एवं कुल 573 महिला मतदाता है। अंतिम मतदाता सूची की दो प्रतियां एक हार्ड एवं एक सॉफ्ट कॉपी बिना फोटो के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के उपस्थित प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। आयोग के निर्देशानुसार इस संबंध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक भी आयोजित की गई है, जिसमें राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया। बैठक में आम आदमी पार्टी पूर्व जिलाध्यक्ष शिवनाथ सिंह,बहुजन समाज पार्टी सचिव भंवरलाल दानोदिया, भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री महावीर प्रसाद सैन, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया() के सदस्य सचिव रामरतन बगड़िया, इण्डियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र गठाला, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सचिव इंजी. भंवर सिंह उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

सीकर (निसं)। सीकर के श्री दिगम्बर जैन सीनियर सैकंडरी स्कूल एवं वर्धमान विद्या विहार सेकेंडरी स्कूल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीकर की ओर से विधिक जागरूकता शिविर लगाया गया इस अवसर पर प्राधिकरण के अधिकार मित्र ओमप्रकाश पुरोहित ने विद्यालय के छात्र/छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों को साइबर अपराध एवं सुरक्षा विषय पर संबोधित किया इस जागरूकता शिविर में साइबर अपराध से बचने एवं ऐसे अपराध घटित होने पर सुरक्षात्मक उपायों तथा इन अपराधों से सम्बंधित दण्डात्मक प्रक्रियाओं के बारे में भी बताया शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने साइबर अपराध एवं उस से जुड़ी साबधानियों के बारे में उपयोगी जानकारी प्राप्त की इस से सम्बंधित प्रश्न पूछे संस्था का आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार

योग व प्राणायाम शिविर का शुभारंभ

रतनगढ़ (निसं)। नगरवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रखने के उद्देश्य से सुमंगलम् हॉस्पिटल व चरक पंचकर्म केन्द्र में आजसे निःशुल्क योग व प्राणायाम शिविर का शुभारंभ भामाशाह अतिथि समाजसेवी वासुदेव चाकलान व देवकिशन स्मृति सेवा समिति अध्यक्ष विश्वनाथ सोनी द्वारा भगवान धन्वंतरि के आगे दीप प्रज्वलित कर किया गया। संस्था प्रमुख वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा ने इस अवसर पर सभी का स्वागत व अभिनंदन करते हुए बताया कि सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की भावना से शिविर आयोजित किया गया है जिसमें अनुभवी योग प्रशिक्षकों के सानिध्य में रोजाना योगिक क्रियाएं व प्राणायाम का अभ्यास करवाया जाएगा। इसके अतिरिक्त समय समय पर योग्य चिकित्सकों द्वारा मौसमी बिमारियों से बचाव हेतु आहार प्रतिहार के बारे में सलाह दी जाएगी। शिविर का समय प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक रखा गया है जिसमें मौसम अनुसार परिवर्तन किया जाएगा। उन्होंने आव्हान किया कि अधिकाधिक संख्या में पहुंच कर शिविर का लाभ उठाएं।इस अवसर पर हाल ही में हॉस्पिटल में अनुभवी प्रसुति व स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ आभा कालरा के ज्वाइन करने पर उनका भी हार्दिक अभिनन्दन व स्वागत किया गया।इस अवसर पर सीताराम दाधीच, देवेन्द्र यादव, अरूण कुमार शर्मा, प्रोफेसर कल्याण सिंह चारण, सुरेन्द्र चुलेट, हिमांशु मालपुरिया,सुरेन्द्र इन्दौरिया, आदि ने योगाभ्यास किया।

लाल चौक पर धरना 782वें दिन भी जारी

चिड़ावा, (निसं)। खेतड़ी रोड स्थित लाल चौक पर शनिवार को अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा संचालित यमुना जल समझौता लागू करवाने को लेकर अनिश्चितकालीन धरना 782वें दिन भी जारी रहा। धरने पर ताराचंद तानाण, प्रभुराम सैनी, श्रीराम कुमावत, राजेंद्रसिंह चाहर, विजेंद्र शास्त्री, रोहिताश्व मेहरड़ा, रणधीरसिंह ओला, बजरंगलाल बराला, कपिल तेतरवाल आदि मौजूद रहे। बुहाना तहसील कमेटी अध्यक्ष रणधीर सिंह ओला ने बिजली पावर ग्रिड कम्पनी को आगाह किया है कि झुंझुनूं जिले में 765 केवीए बिजली की लाईन से किसानों के खेतों में टावर, कोरीडोर, ट्यूबवैल, पेड़ पौधे, तालाब, फार्म पौंड, मकानों का भारी भरकम नुकसान हुआ है। जिसका नाम मात्र का मुआवजा दिया गया है। जबकि यह मुआवजा अग्रिम भुगतान किया जाना था। टावरों का मुआवजा 2 प्लस 2 चार प्रतिशत की तर्ज पर किसानों ने कोरिडोर का मुआवजा 30 की बजाय 400 प्रतिशत देने की मांग रखी है। मांग माने जाने तक टावरों पर कार्य नहीं करने दिया जाएगा। जिस किसान का कोई भी मुआवजा बकाया है वो तुरंत प्रभाव से 15 दिवस में किसानों को दिया जाना चाहिए अन्यथा किसान सभा आन्दोलन को मजबूर होगी।

श्री गोपाल गौशाला का उद्घाटन कल

मंडावा, (निसं)। वाहिदपुरा गांव में श्री गोपाल गौशाला के उद्घाटन समारोह पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। श्री गोपाल गौशाला समिति एवं ग्रामीणों के सहयोग से 22 फरवरी को सुबह 9:15 बजे पूजन एवं हवन कार्यक्रम होगा। इसी क्रम में 23 फरवरी सोमवार को सुबह 9:30 बजे कलश यात्रा एवं सुबह 11:15 बजे गौ प्रवेश एवं पूजा का कार्यक्रम आयोजित होगा तथा दोपहर 12:30 बजे संतों एवं अतिथियों का सम्मान किया जाएगा और दोपहर 1:30 बजे प्रसाद वितरण होगा। ग्राम पंचायत सरपंच केसरी देवी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह राठौड पूर्व नेता प्रतिपक्ष होंगे। विशिष्ट स्थिति झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, पूर्व विधायक हरलाल सहारण, ठाकुर अंगद देव सिंह मंडावा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी, पूर्व प्रधान सुशील सीगडा, पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया होंगे। वहीं गौशाला उद्घाटन कार्यक्रम दिनेश गिरी महाराज फतेहपुर, चेतन नाथ महाराज मुकुंदगढ़, मोहन गिरी महाराज रामपुरा धाम, सोमनाथ महाराज टांई धाम, भागुराम भगत वाहिदपुरा संतों के सानिध्य में होगा।

जिला कलेक्टर का स्वागत किया

सादुलपुर, (निसं)। रामपुरा बेरी अण्डरपास की बजट में स्वीकृति की खुशी में रामपुरा गांव के ग्रामीणों ने 120 किलोमीटर जिला मुख्यालय चूरू पर जाकर जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा का स्वागत किया। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को मिठाईयां खिलाकर, गुलदस्ता भेंटकर एवं माल्यार्पण कर धन्यवाद दिया तथा जिला कलेक्टर ने भी ग्रामीणों को मिठाई खिलाई। शनिवार दोपहर सवा एक बजे दी जानकारी के अनुसार वहीं ग्रामीणों ने राज्य सरकार, मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड, सादुलपुर विधायक मनोज न्यांगली का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। भारत के खेल रत्न एवं लोकसभा प्रत्याशी रहे पदमभूषण देवेन्द्र झाझडिया का भी विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस बजट में राज्य सरकार के द्वारा ₹7 करोड ₹50 लाख रुपये की बजट घोषणा होने से ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की तथा अब कुछ समय बाद यहां से किसान, ग्रामीण व आमजन को 18 वर्षों से आवागमन में परेशानी हो रही थी, इससे निजात मिलेगी। इस अवसर पर जिला मुख्यालय पर ग्रामीणों की तरफ से रामावतार मीणा, किशनलाल बहलान, ओमप्रकाश मीणा, सुरेन्द्र बहलान, सुरतानन्द बहलान व विजय मीणा आदि ने जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा का स्वागत किया।

भाजपा नेता दहिया का अभिनंदन

चिड़ावा, (निसं)। नवसर्जित ग्राम पंचायत भापर में भाजपा नेता राजेश दहिया का नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम हुआ। ग्रामवासियों ने भापर को नई ग्राम पंचायत बनाए जाने पर दहिया का आभार व्यक्त किया। साथ ही इस खुशी के मौके पर फूलों की होली समारोह भी किया गया। इस अवसर पर सूरजगढ़ प्रधान बलवानसिंह, पंसस पवन मेघवाल, संदीप भड़िया, दयानंद कुमावत, ओमप्रकाश बुडानिया, गंगाधर कुमावत, भोलाराम, प्रहलादसिंह बुडानिया, प्रहलाद नायक, विष्णु नायक, अजय, विद्याधर बुडानिया, सुनिल ठेकेदार, हनुमान बेडवाल, सुरेश बुडानिया, उम्मेदसिंह, कर्मपाल, श्रीराम कालीरावणा, महेंद्रसिंह डीलर, राजवीर धींवा, रमेश नागवान, बसंतलाल, पवन गुर्जर, मदन चनेजा, नवीन बुडानिया, विद्याधर बुडानिया, हेमराज कुमावत, नौरंगलाल, गोविंदराम सैन, ओमप्रकाश जांगिड़, मातृ शक्ति सहित गणमान्य नागरिक बंधु उपस्थित रहे।

होली पर्व पर कार्यक्रमों को लेकर बैठक आज

मंडावा, (निसं)। कस्बे का होली फेस्टिवल विश्व प्रसिद्ध है व प्रतिवर्ष धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार भी होली पर्व पर कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर बैठक आयोजित की जा रही है। श्री सर्वे हितेषी व्यायामशाला के अध्यक्ष सुरेश पालडीवाला ने बताया कि 22 फरवरी को शाम पांच बजे व्यायामशाला में बैठक रखी गई है। बैठक में होली पर्व पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी तथा और उसमें क्या सुधार किया जा सकता है उसको लेकर आमजन से सुझाव लिए जाएंगे। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी ने बताया कि श्री सर्वे हितेषी व्यायामशाला में आयोजित बैठक में एकादशी जुलूस, नगर पालिका चौक पर फागोत्सव कार्यक्रम तथा धुलंडी जुलूस में व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

साधु-संतों को भोजन कराया

रतनगढ़ (निसं)। आर्यावर्त हिन्दू युवा सेना के जिला सचिव नन्द किशोर कन्दोई के नेतृत्व में आज ताल बालाजी मंदिर अन्नक्षेत्र में साधु-संतों को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। साथ ही परमहंस समाधि स्थल पर विचरण कर रहे बेसहारा नंदी महाराज एवं गोमाता के लिए मूंगफली चारे की विशेष व्यवस्था की गई। यह सेवा कार्य मुंबई प्रवासी भामाशाह कृष्णा सुरेश झुनझुनवाला के आर्थिक सहयोग से संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सेवा भाव से व्यवस्थाएँ संभालीं और गौसेवा को समाज का दायित्व बताया।इस अवसर पर भामाशाह कृष्णा सुरेश झुनझुनवाला, संतोष दुगड़, राधिका कन्दोई, हिमांशु कन्दोई, विजय नायक, संजय माली सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सालय का भूमि पूजन आज

खिरोड, (निसं)। कस्बे में बनने वाले प्रथम श्रेणी के राजकीय पशु चिकित्सालय का भूमि पूजन रविवार सुबह 11 बजे खिवाणा जोहडे में श्रीजी जानकीनाथ गोशाला के पास होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल होंगे। इस दिन मोहनवाड़ी गांव में स्थित नवनिर्मित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी कार्यक्रम का शुभारंभ 11.30 बजे नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल करेंगे।

श्याम भक्तों ने निशान उठाया

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के मोती सिंह की ढाणी स्थित श्री श्याम हनुमान मंदिर से श्याम भक्तों ने खाटू श्याम के लिए उत्साह से श्याम निशान उठाए। डीजे पर श्याम भजनों की धुन पर नाचते गाते श्याम भक्त खाटू रवाना हुए। भक्त स्व. रामावतार किरोडीवाल के पुत्र रवि के सानिध्य में राकेश किरोडीवाल, रचना, बबली, पुष्पा देवी, आरती आदि खाटू श्याम धाम रवाना हुए।

सार-समाचार

शाकंभरी माता के दरबार में फागोत्सव कल से

उदयपुरवाटी, (निसं)। धार्मिक तीर्थ स्थल सकरायधाम में स्थित माता शाकंभरी के दरबार में सोमवार से फागोत्सव कार्यक्रम शुरू होगा। मां शाकंभरी सेवा समिति सकरायधाम रजि. के तत्वावधान में होने वाले फागोत्सव में पहले दिन 23 फरवरी सप्तमी को सूरत के प्रसिद्ध मंगलपाठ वाचक सुरेश जोशी एवं पूनम चोपडा द्वारा मैया का मंगलपाठ का वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम में चुनरी उत्सव, मेहंदी उत्सव, मैया का खजाना, छप्पन भोग झांकी, भव्य दरबार झांकी आदि होंगे। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों व आकर्षक विद्युत सजावटी लाइटों से दरबार को सजाया जाएगा। माता की ज्योति व दरबार में भोग लगाने के पश्चात भक्तों को भंडारे में प्रसादी वितरित की जाएगी। दूसरे दिन 24 फरवरी अष्टमी को सुबह छह बजे माता के दरबार में सिरा-पुडी का भोग लगाया जाएगा। माता को गजरा, चुनडी, सुहाग पिटारा, फल, ड्राई फ्रूट आदि माता को अर्पित किया जाएगा। इसके पश्चात उदयपुरवाटी कस्बे के जांगिड मोहल्ले में स्थित पवन मिश्रा के नोहरे में ध्वज पूजन व आरती के बाद नाचते-गाते हुए भक्तगण उदयपुरवाटी कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए माता शाकंभरी के दरबार पहुंचेंगे। जहां पर ध्वज अर्पित कर भंडारे में प्रसादी ग्रहण करेंगे। ध्वज यात्रा में प्रसिद्ध भजन गायक राजवर्धन सुथार अहमदाबाद भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। शाम छह बजे से माता के दरबार में फागोत्सव का आयोजन होगा। जिसमें राजू तिवाड़ी एंड पार्टी फतेहपुर के कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक रंगारंग फाल्गुनी धमाल प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समिति के अध्यक्ष राजेश धानूका अहमदाबाद व कोषाध्यक्ष संदीप रामूका के नेतृत्व में सभी पदाधिकारी जोर-शोर से लगे हुए है। माता के फागोत्सव में देशभर से भक्तगण शामिल होने के लिए पधारेंगे। माता के फागोत्सव व ध्वज यात्रा की तैयारियां उदयपुरवाटी में पवन मिश्रा के नोहरे में की जा रही है। 101 निशानों को तैयार करने में सुशील रामूका, संदीप रामूका, गणेश स्वामी आदि भक्तगण लगे हुए हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर का शुभारंभ

पाटन (निसं)। राजकीय कमला मोदी महिला महाविद्यालय नीमकाथाना में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया। उत्साह और सेवा भावना से परिपूर्ण इस शिविर का आयोजन तीन सत्रों में किया गया, जिसमें छात्राओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।प्रथम सत्र उद्घाटन सत्र के रूप में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर डॉ. संजय कुमार ने छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना से जुडने के महत्व एवं लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस केवल एक योजना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। इसके माध्यम से छात्राएँ समूह, समुदाय और राष्ट्रहित में कार्य करना सीखती हैं। यह योजना 'स्व' से ऊपर उठकर 'पर' के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देती है।द्वितीय सत्र में छात्राओं द्वारा श्रमदान किया गया। परिसर की स्वच्छता एवं व्यवस्था में योगदान देकर स्वयं सेविकाओं ने सेवा, अनुशासन और सामूहिक कार्य की भावना को साकार किया।तृतीय सत्र में विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी ज्ञानवर्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से सामाजिक, शैक्षिक एवं राष्ट्रीय विषयों पर जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी, समस्त स्टाफ सदस्य एवं स्वयंसेविकाएँ उपस्थित रहीं। पूरे वातावरण में सेवा, सहयोग और राष्ट्रनिर्माण की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। सात दिवसीय यह शिविर आगामी दिनों में विविध सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं में नेतृत्व, जिम्मेदारी और सामाजिक सरोकार की भावना विकसित करेगा।

विराट हिन्दू सम्मेलन आज

रतनगढ़ (निसं)। सर्व हिन्दू समाज के तत्वावधान में 22 फरवरी 2026, रविवार को प्रातः 10 बजे गोदावरी गेस्ट हाउस, अम्बेडकर नगर में विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और समाज के विभिन्न वर्गों में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। आज रामदेव चंदनिया, गोपाल कृष्ण शर्मा एवं पिरमल प्रजापति ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम से पूर्व श्री वीर हनुमान मंदिर (काली टंकी के पास) से मंगल कलश यात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली जाएगी, जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए सम्मेलन स्थल तक पहुंचेगी।उन्होंने बताया कि संत शिरोमणि परम श्रद्धेय श्री सीताराम जी महाराज (फलाहारी बाबा, बद्रीनाथ धाम) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में संत सानिध्य, मुख्य वक्ताओं के उद्बोधन एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित होगा।

बच्चों को स्वर्ण प्राशन अर्क पिलाया

उदयपुरवाटी, (निसं)। कस्बे में स्थित शिशु वाटिका आदर्श विद्या मंदिर में शनिवार को पुष्य नक्षत्र में भैया-बहिनों को स्वर्ण प्राशन अर्क पिलाया गया। संस्था प्रधान श्यामसुंदर शर्मा ने प्रार्थना सभा के बाद में 116 विद्यार्थियों को स्वर्ण प्राशन अर्क पिलाया।

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, बीकानेर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन
मु.नं. 21/2026/273 दिनांक-4/2/26
सर्व साधारण को सूचनार्थ हेतु नोटिस
समस्त संबंधित व्यक्तियों को (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि मनोज कुमार सैनी पुत्र श्री मोहन लाल वार्ड नं 1 स्कूल नं 6 के पास सरदारशहर चुरू ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अंतर्गत सुल्ताराम हिंडरमल माली वेरिटेबल ट्रस्ट सरदारशहर चुरू प्रन्यास के संबंध में जांच किये जाने के लिये आवेदन पत्र दिया है।
अतएव अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिये यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्ति यदि कोई हो, प्रस्तुत करें।
और यह भी सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निपटारा रीति से निष्कर्ष किया जायेगा तथा जांच प्रसिल मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।
आज दिनांक 03.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया।
प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06.04.2026 निश्चित है।
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग बीकानेर

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, बीकानेर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन
मु.नं. 22/2026/261 दिनांक-4/2/26
सर्व साधारण को सूचनार्थ हेतु नोटिस
समस्त संबंधित व्यक्तियों को (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री ज्ञानीराम सैनी वार्ड नं 21 पुलिस स्टेशन के पीछे सरदारशहर चुरू ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अंतर्गत श्री श्याम सैनी बेरिटेबल ट्रस्ट सरदारशहर चुरू प्रन्यास के संबंध में जांच किये जाने के लिये आवेदन पत्र दिया है।
अतएव अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिये यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्ति यदि कोई हो, प्रस्तुत करें।
और यह भी सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निपटारा रीति से निष्कर्ष किया जायेगा तथा जांच प्रसिल मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।
आज दिनांक 03.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया।
प्रकरण की सुनवाई दिनांक 06.04.2026 निश्चित है।
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग बीकानेर

कुछ फ्रेंचाइजी का स्वामित्व भारतीयों के पास है। माना जा रहा है कि ये फ्रेंचाइजी पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नीलामी में नहीं खरीदेंगी।
- हैरी ब्रूक

इंग्लैंड के कप्तान, पाकिस्तानी खिलाड़ियों की नीलामी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मिशेल मार्श

ओमान के खिलाफ अपने आखिरी ग्रुप स्टेज टी20 विश्व कप मैच में जीत के बाद, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श ने अपने अभियान को एक चूके हुए अवसर के रूप में गंवाने पर अफसोस जताया और कहा कि ड्रेसिंग रूम अपने प्रदर्शन से बेहद निराश है। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पालेकेले में ओमान को करारी शिकस्त देते हुए एक बड़ी जीत हासिल की और दो जीत और दो हार के साथ अपने अभियान का शानदार अंत किया। शायद बस एक छूटे हुए अवसर का एहसास है (उनके मन में अभी क्या चल रहा है, इस बारे में बात करते हुए)।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 297 रन (2024) का सर्वोच्च स्कोर बनाया है, जो पूर्ण सदस्य देशों में सबसे बड़ा है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

श्रीलंका व इंग्लैण्ड के बीच शाम 3 बजे

भारत व दक्षिण अफ्रिका के बीच शाम 7 बजे

बाबर आजम के खराब स्ट्राइक रेट पर पाक कोच का खुलासा

नई दिल्ली, 21 फरवरी। पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने शुक्रवार को इन दावों को खारिज किया कि तेज गेंदबाज शाहीद अफरीदी को नामीबिया के खिलाफ मैच से बाहर करने और बाबर आजम को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजने का फैसला टी20 विश्व कप में भारत से मिली हार के कारण नहीं लिया गया था। भारत ने टी20 विश्व कप के मैच में पाकिस्तान को 61 रन से हराया था। अफरीदी ने आखिरी ओवर में 15 रन दिये थे जबकि बाबर पांच रन बनाकर आउट हो गए थे।

हेसन ने मीडिया से बातचीत में कहा ,'' ऐसी बात नहीं है (शाहीन को बाहर करने और बाबर को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेजने का फैसला भारत से हार के कारण लिया गया)। तेज गेंदबाज सलमान मिर्जा को भी मौका मिलना चाहिये था।'' उन्होंने कहा ,'' यह खिलाड़ियों की भूमिकाओं को लेकर लिया गया फैसला था।'' हेसन ने कहा ,'' बाबर को बखूबी पता है कि विश्व कप में पावरप्ले में उसका स्ट्राइक रेट सौ से कम है। हमें उससे ऐसा प्रदर्शन नहीं चाहिये।वह मध्यक्रम में अच्छा खेलता है और अमेरिका के खिलाफ हमने देखा। एक बार क्रीज पर जमने के बाद वह स्ट्राइक रेट बढा सकता है।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया महिला टीम को 17 रनों से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीती

एडिलेड, 21 फरवरी। शनिवार को एडिलेड में खेले गए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया महिला टीम को 17 रनों से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। स्मृति मंधाना ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया, वहीं श्री चरानी और श्रेयांका पाटिल ने गेंद से भारतीय महिला टीम के लिए बेहतरीन गेंदबाजी की। स्मृति मंधाना को 55 गेंदों पर खेली गई 82 रनों की निर्णायक पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, श्री चरानी और श्रेयांका पाटिल के तीन-तीन विकेटों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया 159 रनों के स्कोर पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल और बेथ मूनी ने अपनी टीम को तेज शुरुआत देते हुए पहले ही ओवर में रेणुका सिंह के ओवर में 18 रन बनाए। पहले ओवर में शानदार शुरुआत के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया अगले ओवरों में लड़खड़ा गई। दूसरे ओवर में पाटिल ने वोल को पांच गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट कर दिया।

विकेटकीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी अगले ओवर में रेणुका की गेंद पर डीप स्क्वायर लेग पर चरानी के हाथों कैच आउट हो गईं। ऑस्ट्रेलिया ने अपना तीसरा विकेट एलीसे पेरी के रूप में खो दिया, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना 350वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही थीं। यह विकेट पाटिल के चौथे ओवर में आया, जिससे मेजबान टीम 3.3 ओवर में 32/3 पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया ने पावरप्ले की शुरुआत 44/3 के स्कोर पर की। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से एशले गार्डनर एकमात्र बल्लेबाज रहीं जिन्होंने 45 गेंदों में 57 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, वह 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरुंधति रेड्डी द्वारा फेंकी गई गेंद पर आउट हो गईं, जिससे ऑस्ट्रेलिया 15.5 ओवर में 128/6 पर सिमट गई। ग्रेस हैरिस, सोफी मोलिनक्स और एनाबेल सदरलैंड भी कुछ खास योगदान नहीं दे सकीं और ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पारी 159/9 पर समाप्त की, जो लक्ष्य से 17 रन कम थी।इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना। मंधाना और शेफाली ने भारतीय महिला टीम के लिए पारी की शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन को पहले ओवर में लय हासिल करने में मुश्किल हुई, उन्होंने चार वाइड गेंदें फेंकीं और स्मृति मंधाना ने कवर ड्राइव से चौका लगाया। भारत ने अच्छी शुरुआत की और दो ओवर में 14/0 के स्कोर पर पहुंच गई। हालांकि, 2.4 ओवर में भारत का पहला विकेट शेफाली के रूप में गिरा, जब स्कोर 19/1 था। मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने पावरप्ले का अच्छा उपयोग करते हुए पहले छह ओवरों के बाद टीम का स्कोर 54/1 तक पहुंचाया। पावरप्ले के आखिरी ओवर में सोफी मोलिनक्स ने 14 रन दिए।

पावर प्ले समाप्त होने के बाद दोनों बल्लेबाजों ने रन रेट को बरकरार रखा और 10 ओवरों के बाद भारत 86/1 के स्कोर के साथ मजबूत स्थिति में था। मंधाना ने 12वें ओवर में ब्राउन को छक्का लगाकर 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

15वें ओवर में जेमिमा का कैच फीबी लिचफील्ड ने एक्स्ट्रा कवर पर छोड़ दिया, हालांकि उन्होंने डाइव लगाकर कैच लपक लिया। 15वें ओवर के अंत में भारत का स्कोर 127-1 था। 16वें ओवर की पहली गेंद पर एनाबेल सदरलैंड ने छक्का लगाया और मंधाना की पारी समाप्त हो गई। मंधाना ने 55 गेंदों में 82 रन बनाए। ओपनर पूरी पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए लगभग हर ओवर में चौके लगाए। धीमी शुरुआत के बावजूद, उन्होंने 149.09 के स्ट्राइक रेट से अपनी पारी समाप्त की, जिसमें आठ चौके और तीन छक्के शामिल थे।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड सुपर-8 मैच बारिश में धुलाः दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले

कोलम्बो, 21 फरवरी। सुपर-8 मैच बारिश की भेंट चढ़ गया है। शनिवार शाम 6:30 बजे पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लेकिन, मैच शुरू होने से पहले बारिश आ गई।

करीब ढाई घंटे के इंतजार के बार मैच रेफरी ने इसे रद्द कर करने का फैसला लिया। ऐसे में दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिए। इस टूर्नामेंट में दूसरा मैच रद्द हुआ है। इससे पहले जिम्बाब्वे और आयरलैंड का मैच रद्द हुआ था।

पहला सुपर-8 मैच रद्द होने के बाद पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को एक-एक अंक मिले हैं। यहां से सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दोनों टीमों को अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। दोनों टीमों को इंग्लैंड और श्रीलंका से खेलना है।

अभिषेक के फॉर्म की चिंता न करें, मुझे अपने गेंदबाजों पर गर्व - सूर्या कुमार

अहमदाबाद, 21 फरवरी। टी-20 वर्ल्ड कप के तीन मैचों में बिना खाता खोले आउट हुए टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा के सपोर्ट में कप्तान सूर्यकुमार यादव का बयान आया है।

शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सूर्या बोले, अभिषेक शर्मा का फॉर्म चिंता का विषय नहीं है। मुझे चिंता उन लोगों की है, जो अभिषेक की चिंता कर रहे हैं। मुझे फिक्र उन टीमों की है, जिनके खिलाफ अभिषेक का बल्ला चलेगा। उसने पिछले साल टीम के लिए सब कुछ किया था, अब हमारी बारी है कि हम उसका साथ दें।

भारत का मुकाबला रविवार को सुपर-8 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेला जाएगा।

जब प्लेइंग इलेवन में बदलाव और संजू सैमसन को शामिल करने पर सवाल पूछा गया तो सूर्यकुमार हंस पड़े। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि क्या अभी अभिषेक को हटा दूं? या तिलक को?

पिच को लेकर सूर्यकुमार ने कहा कि टीम हर तरह की परिस्थितियों के लिए तैयार है। उन्होंने माना कि विकेट ज्यादा चुनौतीपूर्ण नहीं थे, लेकिन टीम ने हालात के मुताबिक खुद को ढालने की कोशिश की है।

उन्होंने यह भी कहा, बल्लेबाजी में परिस्थिति का सम्मान करना जरूरी है। हमारे पास पर्याप्त कौशल है। कभी-कभी स्थिति के अनुसार खेलना पड़ता है। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो मैच का रुख बदल सकते हैं।

अभिषेक टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले में नामीबिया के खिलाफ पेट में इन्फेक्शन के कारण नहीं खेल सके थे। उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें दो दिनों के लिए दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था। हालांकि इलाज के बाद उनकी स्थिति में सुधार हुआ और वे फिर से टीम से जुड़ गए।

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से शादी की

नई दिल्ली, 21 फरवरी।पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ शादी कर ली है। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शनिवार को एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे मौजा ही मौजा गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। चहल ने कुछ फोटो भी पोस्ट किए। इनमें धवन और उनकी पत्नी सोफी शाइन स्टेज पर हैं। 40 साल के पूर्व भारतीय ओपनर ने एक महीने पहले 12 जनवरी को अपनी आयरिश गर्लफ्रेंड के साथ सगाई की थी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। इससे पहले धवन ने 2023 में अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक ले लिया था। दोनों ने 2011 में शादी की थी। आयशा-धवन का एक बेटा भी है।

वीनस विलियम्स की धमाकेदार वापसी, इंडियन वेल्स में मिली वाइल्ड कार्ड से एंट्री

नई दिल्ली, 21 फरवरी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को अगले महीने दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल और युगल ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। यह 45 वर्षीय खिलाड़ी 2024 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। उस समय भी उन्हें वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला था लेकिन वह पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी।

वीनस तीन बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। उन्होंने 2001 की एक विवादित घटना के बाद 2002 से लेकर 2016 तक इस प्रतियोगिता का बहिष्कार किया था। टूर्नामेंट के निदेशक टॉमी हास ने शुक्रवार को कहा, ''इस वर्ष की प्रतियोगिता के लिए पहला वाइल्ड कार्ड वीनस विलियम्स को प्रदान करना हमारे लिए सम्मान की बात है। वीनस इस खेल की दिग्गज खिलाड़ी हैं और हमारे खेल के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं।''

इस प्रतियोगिता का आयोजन चार से 15 मार्च तक किया जाएगा। वीनस ने कहा, ''मैं इंडियन वेल्स में वापसी करने को लेकर बेहद उत्साहित और कैलिफोर्निया में खेलने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।''

वीनस ने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन एकल और युगल दोनों में पहले दौर में बाहर हो गई थी।

अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी राजस्थान - छत्तीसगढ़ पहली पारी 257/7

जयपुर, 21 फरवरी। रायपुर में बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर 23 सी केनायडू ट्रॉफी के आज से शुरू हुए **राजस्थान - छत्तीसगढ़ क्वाटर फाइनल मैच के पहले दिन का स्कोर :** - रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लेते हुए छत्तीसगढ़ को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रीय किया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक का स्कोर : - छत्तीसगढ़ पहली पारी 257 / 7 (89 ओवर) टीम के लिए मयंक 81, राहुल 58, दीपक नाबाद 29, हर्ष 24 ,साहिल 22 व आयुष 21 रन राजस्थान के गेंदबाज गणेश सुथार 42/2, मोहित छांगरा 67 /2, चेतन शर्मा 45/1, दीपेंद्रसिंह 36/1, अनिरुद्ध सिंह 50/1 विकेट प्राप्त किये।

राजस्थान के अंशु जैन विज्जी ट्रॉफी में नार्थजोन के हेड कोच नियुक्त

बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जाने वाली विज्जी ट्रॉफी में भाग लेने वाली नार्थजोन टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई ने राजस्थान के पूर्व रणजी खिलाडी व राजस्थान सीनियर टीम के कोच अंशु जैन को

दी है। अंशु जैन विज्जी ट्रॉफी हेतु नार्थ जोन टीम के आगामी 26 फरवरी से गोवा में आयोजित होने प्रशिक्षण शिविर से जुड़ेंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगी : आमिर

नई दिल्ली, 21 फरवरी। टी20 विश्व कप का सुपर 8 चरण शनिवार, 21 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबले के साथ शुरू होने जा रहा है।

इसके साथ ही सेमीफाइनल में पहुंचने की होड़ भी शुरू हो जाएगी। प्रत्येक समूह से दो टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंचेंगी। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है कि मेजबान भारत इस मेगा टूर्नामेंट के अगले चरण में जगह बनाने में असफल रहेगा।

इंडो-इंडोनेशिया बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज 2025-26

भारत ने इंडोनेशिया को 3-0 से हराया

जयपुर, 21 फरवरी। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव शौकत अली मंसूरी के अनुसार बॉल बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ एशिया एवं इंडोनेशिया बॉल बैडमिंटन महासंघ के तत्वावधान में इंडो-इंडोनेशिया बॉल बैडमिंटन टेस्ट सीरीज 2025-26 का आयोजन दिनांक 13 से 19 फरवरी 2026 तक बाली, इंडोनेशिया में किया गया।

इस टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इंडोनेशिया को 3-0 से पराजित किया। प्रतियोगिता में राजस्थान से महिला वर्ग में हर्षिता जूनवाल (जयपुर) एवं कुमकुम सोनी (चूरू)

विजेता भारतीय महिला टीम का हिस्सा रहीं, जबकि हर्ष देतरवाल (चूरू) विजेता भारतीय पुरुष टीम के सदस्य रहे।

राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के संरक्षक स्वामी बालमुकुंद आचार्य (विधायक, हवामहल विधानसभा), अध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा, महासचिव शौकत अली मंसूरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा सहित संघ के समस्त पदाधिकारियों ने विजेता भारतीय टीम के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित करने पर बधाई दी। तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

स्पिन से भरपूर पाकिस्तानी टीम, उस्मान तारिक से निपटने को तैयार- मार्क चैपमैन

कोलंबो, 21 फरवरी। न्यूजीलैंड शनिवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में सुपर आठ के अपने पहले मैच में पाकिस्तान से भिड़ने के लिए तैयार है। न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने स्पिन से भरपूर पाकिस्तानी टीम, विशेषकर उस्मान तारिक से होने वाले खतरे को स्वीकार किया। 27 वर्षीय तारिक ने टूर्नामेंट में 5.83 की इकॉनमी और 8.38 के औसत से आठ विकेट लिए हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नामीबिया के खिलाफ चार विकेट भी लिए थे।

मैच की पूर्व संध्या पर कोलंबो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चैपमैन ने कहा कि मेरा मतलब है कि जाहिर तौर पर उस्मान तारिक का क्रीज पर रुकने का तरीका काफी अनोखा है, इसलिए यह एक महत्वपूर्ण पहलू है। पाकिस्तान के पास कई बेहतरीन स्पिनर हैं, इसलिए उनमें से प्रत्येक अपना खतरा पैदा करता है। चैपमैन ने इस बात पर सहमति जताई कि हाल के वर्षों में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं और कीवी टीम इस मैच के लिए पूरी तरह से तैयार है।

कीवी बल्लेबाज ने कहा कि पाकिस्तान उन टीमों में से एक है जिनके साथ हमने पिछले कुछ वर्षों में शायद सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। इसलिए हम अच्छी तरह जानते हैं कि वे किस तरह की रणनीति अपनाएंगे। इसलिए हमारे लिए बस यही जरूरी है कि हम एक टीम के रूप में अपनी खेलने की रणनीति को लेकर पूरी तरह से स्पष्ट रहें। चैपमैन ने कप्तान मिच सैंटनर की पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में उपलब्धता की भी पुष्टि की, जो बीमारी के कारण कनाडा के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, लेकिन तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन के बारे में कुछ भी पुष्टि नहीं कर सके, जो अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए न्यूजीलैंड वापस चले गए हैं।

सूर्यकुमार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवॉर्ड के लिए नामित

नई दिल्ली, 21 फरवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जनवरी 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के पुरुष और महिला वर्ग के नामांकनों की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम प्रमुख रूप से शामिल है, जबकि महिला वर्ग में गैबी लुईस, सोभना मोस्टरी और तारा नॉरिस को दावेदार बनाया गया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। इस सीरीज में उन्होंने तीन अर्धशतक जड़े और 196.74 के दमदार स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारत ने सीरीज 4-1 से अपने नाम की। सूर्यकुमार को प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। सीरीज के दूसरे मुकाबले में उन्होंने नाबाद 82 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिससे भारत ने 15.2 ओवर में 208 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। पुरुष वर्ग में उनके अलावा न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और इंग्लैंड के जो रूट भी नामांकित हैं। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में 176 की औसत से 352 रन बनाए और टीम को 2-1 से सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने टी20 सीरीज में भी 186.56 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। वहीं, इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में 242 रन बनाए, जिसमें एक नाबाद शतक शामिल रहा। उनकी बदौलत इंग्लैंड ने 0-1 से पिछड़ने के बाद 2-1 से सीरीज अपने नाम की। रूट ने एशेज 2025/26 में भी 160 रन की यादगार पारी खेली थी, हालांकि इंग्लैंड सीरीज 1-4 से हार गया।

महिला वर्ग: लुईस, मोस्टरी और नॉरिस दावेदार - महिला वर्ग में आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में शानदार नेतृत्व करते हुए छह मैचों में 124.87 के स्ट्राइक रेट से 251 रन बनाए। बांग्लादेश के खिलाफ 73 रन उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही। उन्होंने पूरे क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में आयरलैंड के लिए सर्वाधिक 276 रन बनाए। बांग्लादेश की सोभना मोस्टरी ने 45.80 की औसत और 145.85 के स्ट्राइक रेट से 229 रन बनाए। थाईलैंड के खिलाफ 59 और स्कॉटलैंड के खिलाफ 47 रन की पारियां उनकी प्रमुख उपलब्धियां रहीं। उन्होंने पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण विकेट भी लिया। यूएसए की बाएं हाथ की तेज गेंदबाज तारा नॉरिस ने क्वालिफायर में 15 विकेट लेकर टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने का गौरव हासिल किया। जनवरी में पांच टी20 मैचों में उन्होंने 11 विकेट झटके।

साल में दो बाद विदेश में टूर्नामेंट खेलने के लिये अंतरराष्ट्रीय यात्रा में सहयोग- मिथुन मन्हास

नई दिल्ली, 21 फरवरी। बीसीसीआई ने शनिवार को भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (सीएबीआई) को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर, घरेलू श्रृंखलाओं में सहायता और स्टेडियम के इस्तेमाल समेत संरचित समर्थन ढांचे की घोषणा की। भारत की दृष्टिबाधित क्रिकेट टीमों ने पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए पुरूष विश्व कप और पहला महिला विश्व कप जीता।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने एक विज्ञिप्त में कहा ,'' भारत के दृष्टिबाधित क्रिकेटरों की उपलब्धियां क्रिकेट समुदाय के लिये असीम गौरव की बात है।'' उन्होंने कहा ,'' इस संरचित समर्थन से बीसीसीआई इन खिलाड़ियों के लिये मौके, बुनियादी ढांचा और एक्सपोजर बेहतर करने में मदद करेगा। खेल के लिये हमारे विजन का केंद्र समावेशिता है। हमें उम्मीद है कि इस सहयोग से टीमों को आत्मविश्वास के साथ श्रेष्ठता हासिल करने में मदद मिलेगी और कई क्रिकेटरों के लिये ये खिलाड़ी प्रेरणास्त्रोत बनेंगे।'' इस पहल के तहत बीसीसीआई मुख्य रूप से तीन विभागों में मदद करेगा। अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर : पुरूष और महिला टीमों के लिये साल में दो बाद विदेश में टूर्नामेंट खेलने के लिये अंतरराष्ट्रीय यात्रा में सहयोग।

पीडीकेएफ लेडीज़ पोलो कप आज

टीम कैरेसिल सुहाना ने जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप जीता

जयपुर, 21 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप (14 गोल्स) टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम कैरेसिल सुहाना और टीम विमल एरियन अचीवर्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में टीम कैरेसिल सुहाना ने 12-10 के स्कोर से टीम विमल एरियन अचीवर्स को हरा कर कप अपने नाम किया। इस मैच मे 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' का खिताब मैनुअल प्राडो को मिला। इस अवसर पर ट्रॉफी चिराग पारेख, रेहा पारेख जैन, हिज हाइनेस सवाई पद्मनाभ सिंह, महाराज नरेंद्र सिंह, दिग्विजय सिंह एवं विक्रमादित्य सिंह बरकाना द्वारा प्रदान की गई।

विजेता टीम कैरेसिल सुहाना की ओर से माटियास वायल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 गोल किए, वहीं मैनुअल प्राडो ने 4 गोल बनाए। भवानी सिंह कलवी ने 1 गोल जोड़ा। अशोक चांदना भी टीम का हिस्सा रहे।

टीम विमल एरियन अचीवर्स की ओर से ध्रुवपाल गोदारा ने 7 गोल कर बेहतरीन प्रदर्शन किया। अलेजो अरामबुरु ने 2 गोल किए, जबकि डेनियल ओटामेंडी ने 1 गोल बनाया। सलीम आजमी भी टीम का हिस्सा रहे।

पीडीकेएफ लेडीज़ पोलो कप- प्रतिष्ठित प्रिंसेस दिया कुमारी फाउंडेशन (पीडीकेएफ) लेडीज़ पोलो कप का आयोजन कल, 22 फरवरी को दोपहर 4:30 बजे आरपीसी ग्राउंड पर किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री, दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

सुराना क्रिकेट एकेडमी ने पी एंड टी क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 21 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में सुराना एकेडमी ने पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) को 8 विकेट से हराया।

पी एंड टी क्रिकेट क्लब टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रजत छपरवाल के 58 रन, सौरभ चौहान के 76 रन, अजीम अख्तर के 25 रन, प्रदीप जाखड़ के 22 रन व विनीत सक्सेना के 18 रनों से 44.3 ओवर में 248 रन बना कर आउट हुई। सुराना एकेडमी के लिए आदित्य झाला ने 40 पर 3 , चिराग़ शर्मा ने 42 पर 3, विकास झरवाल, आर्यमन कटारिया, आशीष इंदौरिया व आदित्य बाधवा ने एक - एक विकेट लिया

जवाबी पारी में सुराना एकेडमी ने आर्यमन कटारिया के 64 रन, हर्ष परवानी के 85 रन नाबाद व चिराग़ शर्मा के 80 रन नाबाद की पारियों से 32 ओवर में 2 विकेट पर 250 रन बनाकर आसानी से मैच जीत लिया। पी एंड टी क्रिकेट क्लब के लिए नरेश गहलोत व रजत छपरवाल ने एक - एक विकेट लिया।

'विपक्ष के पास बोलने के लिए कुछ नहीं, बहस करते तो 5 साल की सच्चाई सामने आ जाती'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में अपनी सरकार के दो साल के काम की रिपोर्ट कार्ड रखते हुए टिप्पणी की

जयपुर, 21 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमने आने वाले समय की कार्ययोजना बजट के रूप में रखने के साथ ही पहली बार सदन में अपनी सरकार के दो साल का रिपोर्ट कार्ड रखा था। शर्मा ने शनिवार को सदन में कहा कि हर सरकार का दायित्व है कि वह हर साल अपने कार्य का रिपोर्ट कार्ड दे। हमने अपने दोनों वर्षों का लेखा-जोखा जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि हमने प्रतिपक्ष की चुनौती स्वीकार करते हुए 2 साल बनाम 5 साल का प्रतिवेदन सदन में रखा, लेकिन विपक्ष के पास बोलने के लिए कुछ नहीं है। वे बहस करते तो 5 साल की सच्चाई जनता के सामने आ जाती।

- मुख्यमंत्री ने कहा, पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में 626 ऐसी घोषणाएं कीं, जिन पर काम शून्य रहा, ये सब लोक लुभावन घोषणाएं थीं।
- मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी 90 प्रतिशत बजट घोषणाओं की स्वीकृतियां जारी हो गई हैं, और 80 प्रतिशत घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं या शुरु हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को विधानसभा में दो साल के कामकाज का जवाब दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्षों के कार्यकाल में 626 घोषणाएं ऐसी की गईं, जिन पर काम शून्य रहा, यानी केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए लोकलुभावन वादे कर दिए गए और 450 करोड़ रुपये की लागत से 2000 पायलट ड्रोन देने, 400 करोड से चार माइस सेंटर बनाने, 125 करोड़ से पांच गोल्फ कोर्स बनाने और 125 करोड़ से विश्वकर्मा एसएमई टावर बनाने जैसी घोषणाओं पर 'काम ज़ीरो' हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण की भावना को आत्मसात करते हुए, राज्य सरकार ने पिछली सरकार की योजनाओं को न केवल जारी रखा है, बल्कि उनकी प्रभावशीलता को भी बढ़ाया है।

उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने अपने अंतिम समय में पेंशन में बढ़ोतरी जैसी घोषणाएं कीं, जबकि हमारी सरकार ने पहले ही साल से न्यूनतम पेंशन राशि को बढ़ाया और अब इसे बढ़ाकर 1300 रुपये कर दिया है। इसके अलावा, 2 वर्षों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 10 लाख से अधिक नए पेंशनर्स जोड़े गए हैं, जो पूर्ववर्ती सरकार के 2 वर्षों के मुकाबले 3 गुना अधिक हैं।

शर्मा ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मिल रहे नि:शुल्क खाद्यान्न के दुरुपयोग का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा शुरू किया गया "गिवअप" अभियान एक जन आंदोलन बना। इसमें लगभग 54 लाख व्यक्तियों ने स्वैच्छिक गिवअप किया और 27 लाख अपात्र व्यक्तियों के नाम ईकेवाईसी के जरिए हटाए गए। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न से वंचित लगभग 72 लाख पात्र व्यक्तियों को योजना से जोड़कर उनका हक दिलाने का कार्य भी सरकार ने किया। हमारी सरकार ने दो साल में 3 लाख 41 हजार 347 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया है, जो गत सरकार के पूरे पांच साल की तुलना में डेढ़ गुना है। हमने 185 राजकीय महाविद्यालयों का भवन निर्माण किया है, जो गत सरकार से सवा तीन गुना है और चार गुना अधिक 21 नये पॉलिटेक्निक कॉलेज खोले हैं। हमने विद्यार्थियों को 88 हजार 724 टेबलेट और लेपटॉप वितरण किए, जबकि पिछली सरकार ने एक भी टेबलेट या लेपटॉप बच्चों को नहीं दिया। वहीं अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत, राज्य सरकार अपने 2 वर्षों में ही 35 हजार से अधिक युवाओं को लाभान्वित कर चुकी है, जो कि पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्षों के बराबर है।

शर्मा ने कहा कि गत सरकार ने युवाओं को जो नौकरियां दीं, उनमें से 65 हजार भर्तियां हमारी पूर्ववर्ती सरकार के समय की थीं। हमारी सरकार द्वारा 2 वर्षों में 1 लाख से अधिक पदों पर सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी हैं एवं लगभग 1 लाख 55 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

'हर साल हजारों करोड़ रु. दान कर देते हैं भारतीय'

नई दिल्ली, 21 फरवरी। भारत में रहने वाले लोग हर साल हजारों करोड़ रुपये दान में दे देते हैं। इस बात का खुलासा "हाउ इंडिया गिव्स" रिपोर्ट के तीसरे संस्करण में हुआ है।

इसमें व्यक्तिगत दान का 45.9 प्रतिशत हिस्सा धार्मिक संगठनों को जाता है। 41.8प्रतिशत दान सीधे बेहद गरीब, जरूरतमंद व भिक्षा मांगने वालों को मिलता है। गैर-धार्मिक संगठनों तक सिर्फ 14.9 प्रतिशत दान पहुंचता है।

- "हाउ इंडिया गिव्स" रिपोर्ट के तीसरे संस्करण के अनुसार सबसे ज्यादा 45.9 प्रतिशत दान धार्मिक संगठनों को जाता है और 41.8 प्रतिशत सीधे जरुरतमंदों को दिया जाता है। गैर धार्मिक संगठनों को 14.9 प्रतिशत दान जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, देश में दान का सबसे बड़ा आधार आम घर हैं। कुल घरेलू दान का अनुमान हर साल 54 हजार करोड़ रुपए है। रिपोर्ट के मुताबिक 68 प्रतिशत लोगों ने किसी न किसी रूप में देने की बात कही।

रोहित पवार ने नागरिक उड्डयन मंत्री के इस्तीफे की मांग की

अजित पवार के भतीजे रोहित ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह मांग की

मुंबई, 21 फरवरी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखकर केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू के इस्तीफे की मांग की है। रोहित पवार ने तर्क दिया है कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान लेने वाली विमान दुर्घटना की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए मंत्री का पद से हटना आवश्यक है।

- पवार ने कहा जिस कंपनी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ उसके प्रमोटर्स से मंत्री राममोहन नायडू के निकट सबंध हैं, उन्हें हटाए बिना निष्पक्ष जांच संभव नहीं है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में रोहित पवार ने 'हितों के टकराव' का गंभीर मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि जिस विमानन कंपनी (वीएसआर वेंचर्स) का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उसके प्रमोटरों और नागरिक उड्डयन मंत्री की पार्टी (टीडीपी) के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्घटना से ठीक पहले विमान के डेटा और उपकरणों के साथ छेड़छाड़ की संभावना हो सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि संबंधित कंपनी के रिकॉर्ड और सुरक्षा मानकों की जांच में पारदर्शिता की कमी है।

रोहित पवार ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक राजनीतिक मांग नहीं है। चूंकि यह एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा चूक का मामला है, इसलिए इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह को भी इस पत्र की प्रति भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है।

रोहित पवार ने शनिवार को अजित पवार के प्लेन क्रैश पर फिर सवाल उठाए। उन्होंने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्क्रीन पर डेटा और फोटो दिखाए।

उन्होंने कहा कि ब्लैक बॉक्स को लेकर शक जताया जा रहा था। उनके मुताबिक, दुर्घटना के समय सिर्फ एक धमाका नहीं हुआ था, बल्कि कई धमाके हुए थे।

विमान में सामान रखने वाली जगह पर अतिरिक्त पेट्रोल के डिब्बे रखे गए थे, जिससे आग भड़की। सभी पहलुओं की गहराई से जांच होनी चाहिए।

जिस सीवीआर की हम बात कर रहे हैं, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर, उसकी उस उड़ान में रिकॉर्डिंग क्षमता केवल 30 मिनट की थी। लेकिन यदि आप सरकारी नियमों को देखें, तो डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) की आवश्यकता दो घंटे की रिकॉर्डिंग की है। तो अगर विमान का सीवीआर केवल 30 मिनट रिकॉर्ड कर सकता था, जबकि नियम दो घंटे का है, तो उस विमान का रजिस्ट्रेशन कैसे हुआ? यह बात हम सभी जानना चाहते हैं।

यह दुर्घटना से पहले के अंतिम 30 मिनटों का रिकॉर्ड है, यानी यह आखिरी दर्ज किया गया हिस्सा है। उन अंतिम 30 मिनटों में क्या हुआ, इसकी जानकारी केवल सीवीआर से ही मिल सकती है। कहा जा रहा है कि सीवीआर क्षतिग्रस्त हो गया है, लेकिन हमें इस पर विश्वास नहीं है।

ममता बनर्जी के साथ मंच पर नज़र आए भाजपा सांसद नागेन रॉय

रॉय ने केन्द्र पर बंगाल के साथ भेदभाव करने का आरोप भी लगाया

कोलकाता, 21 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद नागेन रॉय उर्फ अनंत महाराज राजबंशी समुदाय के नेता हैं। उनको शनिवार को शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस समारोह में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौजूद थीं।

महाराज के संबंध हाल के महीनों में भाजपा के साथ तनावपूर्ण रहे हैं। मंच पर बैठे और वरिष्ठ मंत्रियों व टीएमसी नेताओं ने आरोप बिस्वास और इंद्रनील सेन के साथ उनका स्वागत किया। उन्हें सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, आपकी मौजूदगी से हमें सम्मान मिला है। खुश रहें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मुख्यमंत्री के रूप में बनर्जी का यह राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था। अपने अगले राजनीतिक कदम को लेकर अटकलों को बढ़ाते हुए महाराज ने बाद में पत्रकारों से कहा, केन्द्र सरकार ने हमारे समुदाय के साथ भेदभाव किया है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ भारत में शामिल हुआ था। मौजूदा सरकार सहित कई सरकारों की ओर से कई वर्षों तक हमारे क्षेत्र की लगातार उपेक्षा की गई है। जब उन्हें याद दिलाया गया कि वह केन्द्र की सत्तारूढ़ पार्टी का हिस्सा हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, क्या मैं भारत के विकास के बारे में बात नहीं कर सकता? क्या हम देश का हिस्सा नहीं हैं?

- अटकलें हैं कि विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल का दौर तेज हो सकता है।

अखिलेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हों तो फिर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का कपड़े उतारकर प्रदर्शन ठीक नहीं है। कांग्रेस के नेताओं के कारण जो हंगामा हुआ है, मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। उन्होंने कहा कि भले ही सरकार झूठ बोलती है या धोखा देती है, यह तो अलग बात है। हम अपने इंटरनल लड़ लेंगे, लेकिन कांग्रेस को उस तरह का प्रदर्शन नहीं करना चाहिए, जिससे फौरन डेलिगेट्स और फॉरेन कंट्री की नज़र में देश का अपमान हो। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने चीन के रोबोट पर सरकार को घेरा, लेकिन कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के समर्थन से हाथ खींचे हैं। सपा मुखिया भी वैश्विक मंच पर देश की छवि खराब करने वाले विरोध-प्रदर्शन से सहमत नहीं हैं, भले ही विरोध-प्रदर्शन करने वालों से उनका राजनीतिक गठबंधन हो।

'भारत के साथ ट्रेड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रमेश ने कहा कि 2 फ़रवरी को राष्ट्रपति ट्रंप ने समझौते की घोषणा करते हुए कहा था कि वे इससे खुश हैं और प्रधानमंत्री के अनुरोध पर यह तुरंत प्रभाव से लागू होगा। उन्होंने कहा कि घटनाक्रम की समय-रेखा महत्वपूर्ण है।

जयराम ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से, मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स द्वारा लिखित निर्णय में, ट्रंप के वैश्विक टैरिफ़ को अवैध ठहराया और कहा कि राष्ट्रपति ने व्यापक शुल्क लगाकर अपने अधिकार का अतिक्रमण किया।

रमेश ने सवाल उठाया कि जब प्रधानमंत्री और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को दिसंबर से ही संभावित फैसले की जानकारी थी और यह आशंका थी कि टैरिफ़ रद्द हो सकते हैं, तो फिर इतनी जल्दबाज़ी में समझौता क्यों किया गया।

उन्होंने कहा कि 10 प्रतिशत टैरिफ़ आयात पर 150 दिनों के लिए लागू होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि समझौते के ढांचे में यह प्रावधान है कि किसी भी पक्ष द्वारा बदलाव की स्थिति में दोनों देश अपनी प्रतिबद्धताओं में संशोधन कर सकते हैं।

गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में जब अमेरिका और भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति की घोषणा की थी, तब ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर भारत द्वारा रूसी तेल खरीद पर लगाए गए 25 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ़ को हटा दिया था। इसके साथ ही, वॉशिंगटन ने नई दिल्ली पर पारस्परिक शुल्क (रेसिप्रोकल टैरिफ़) 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया था।

राहुल ने कई इन्टरव्यु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डोटासरा के बीच कड़े मतभेद की चर्चाएँ भी रही हैं। गौरतलब है कि 2007 से राहुल गांधी एनएसयूआई और युवा कांग्रेस अध्यक्ष पदों के लिए साक्षात्कार, चयन और चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं। लेकिन इस कवायद से अभी तक कोई बड़ा राष्ट्रीय नेता उभरकर सामने नहीं आया है, जबकि अतीत में युवा कांग्रेस से प्रशिक्षण पाकर कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय राजनीति में स्थापित हुए थे।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश

दुष्कर्म एवं पॉक्सो कोर्ट ने अविमुक्तेश्वरानंद व उनके शिष्य स्वामी मुकुदानंद गिरी के खिलाफ यौन शोषण के मामले में एफआईआर दर्ज करने को कहा है

प्रयागराज, 21 फरवरी। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ यौन शोषण आरोप के मामले में एडीजे दुष्कर्म एवं पॉक्सो स्पेशल कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। एडीजे पॉक्सो एक्ट के न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी थाना पुलिस को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद गिरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना करने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट के आदेश के बाद अब झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में शाकंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने न्यायालय में 173 (4) के तहत वाद दाखिल करके एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की थी। इस संबंध में 13 फरवरी को आरोप लगाने वाले दोनों नाबालिगों के बयान अदालत में वीडियोग्राफी के साथ दर्ज हुए थे। कोर्ट ने पुलिस की रिपोर्ट को भी संज्ञान में लिया था। बयान दर्ज करने और पुलिस की रिपोर्ट को संज्ञान में लेने के बाद निर्णय सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट के आदेश के बाद अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई होगी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने प्रयागराज अदालत के एक आदेश पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

- इधर स्वामी अविमुक्तश्वरानंद ने कहा एफआईआर हो और जांच हो तभी सच्चाई सामने आएगी।

शंकराचार्य ने अदालत के इस आदेश को उचित बताया है। उन्होंने कहा कि मामला दर्ज होने पर ही जांच प्रक्रिया पूरी होगी। इसके बाद गवाही दर्ज की जाएगी। तभी उनके खिलाफ दर्ज झूठे मामले की सच्चाई सबके सामने आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा करने वाले जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जा सकेगा। इसलिए यह कदम आवश्यक है। शंकराचार्य ने अदालत से आग्रह किया कि इस मामले को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि इसमें अधिक समय न लिया जाए, क्योंकि कई लोग इस मामले पर नजर रख रहे हैं। गवाही जल्द से जल्द दर्ज की जानी चाहिए। निर्णय भी शीघ्र लिया जाना चाहिए।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

नई दिल्ली, 21 फरवरी। दिल्ली में एक बार फिर आतंकी हमले की आशंका को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इस खुफिया जानकारी के बाद राजधानी में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) दिल्ली में आईईडी हमले की साजिश रच रहा है।

- खुफिया जानकारी मिली है कि लश्करे तैयबा दिल्ली में बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रच रहा है।

सूत्रों के अनुसार, आतंकियों के निशाने पर ऐतिहासिक लाल किला स्थित मंदिर और उसके आसपास का इलाका हो सकता है।

खासकर भीड़भाड़ वाले चांदनी चौक स्थित प्रमुख मंदिर को लेकर इनपुट मिला है। हालांकि आधिकारिक तौर पर किसी विशेष स्थल का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी है।

5 लाख रु. की रिश्वत लेते पकड़े गए भाजपा विधायक

नई दिल्ली, 21 फरवरी। कर्नाटक के शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को कर्नाटक लोकायुक्त ने गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वे 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए।

अधिकारियों ने बताया कि लमानी को पकड़ने के लिए एक जाल बिछाया था, फिर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया और उसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में उनके दो पर्सनल असिस्टेंट को भी हिरासत में लिया गया है।

लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, यह रिश्वत कथित तौर पर गडग जिले में छोटे सिंचाई विभाग के एक प्रोजेक्ट से जुड़ी मंजूरी दिलाने के लिए मांगी गई थी। इस काम के तहत सड़क के दोनों तरफ एक रिटेनिंग वॉल (सहायक दीवार) बनानी थी।

शिकायत करने वाले गडग के क्लास-1 कॉन्ट्रैक्टर विजय पुजार से जब कथित तौर पर प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी लेने के लिए 11 लाख रुपये रिश्वत की मांग की गई, जिसके बाद उन्होंने एंटी-करप्शन अधिकारियों से संपर्क किया।

एआई इम्पैक्ट का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोरिया, इजरायल, ईरान, ब्राज़ील, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब, यूएई, स्पेन सहित, पड़ोसी देश म्यांमार, श्रीलंका ने हस्ताक्षर किये हैं। 86 देशों के साथ दो संगठन, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास फंड ने भी हस्ताक्षर किए हैं। घोषणा पत्र के तहत आधारभूत संसाधनों तक किफायती पहुंच सुनिश्चित कर स्थानीय नवाचार तंत्र को मजबूत बनाया जाएगा, ताकि विकासशील समाज अपनी जरूरतों के समाधान स्वयं विकसित कर सकें। विभिन्न देशों में सफल कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगों को साझा और विस्तारित करने की सुविधा के लिए साझा मंच बनाया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर विकास संबंधी चुनौतियों का सामूहिक समाधान खोजने का प्रयास किया जाएगा।

क्या "रैसिप्रोकल टैरिफ" से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेन-देन ढांचे में उपलब्ध सूक्ष्म डेटा के कारण भुगतान श्रृंखला का निर्धारण करना अत्यधिक कठिन नहीं होना चाहिए।

यह मामला एक बात स्पष्ट करता है, अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ का भुगतान निर्यातकों या विदेशी संस्थाओं ने नहीं किया; पहले इसे अमेरिकी आयातक कंपनियों ने चुकाया और अंततः अमेरिकी उपभोक्ताओं ने ऊँची कीमतों के रूप में इसका बोझ उठाया।

अमेरिका के वाणिज्य विभाग द्वारा जारी टैरिफ पश्चात व्यापार आँकड़ों के अनुसार, ऊँची कीमतों के बावजूद, अमेरिकी मांग में उल्लेखनीय कमी नहीं आई। इसका कारण यह है कि अमेरिका अब उन छोटे उपभोक्ता उत्पादों का अधिकांश उत्पादन स्वयं नहीं करता, जो राष्ट्रपति के टैरिफ आदेशों के दायरे में आए थे।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने केवल इतना कहा है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया जा रहा है और उसके बाद ही भारत पर संभावित प्रभावों का आकलन किया जाएगा। आगे की कोई भी कार्रवाई उसके बाद की जाएगी।

इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्यापार कानूनों के एक अन्य प्रावधान का उपयोग करते हुए भुगतान संतुलन घाटे के मद्देनज़र सभी आयातों पर 10 प्रतिशत का समान शुल्क लगाने का निर्णय लिया है। क्या इसका अर्थ यह है कि अमेरिका में आने वाले सभी आयात, उनके मूल देश की परवाह किए बिना, 10 प्रतिशत प्रवेश शुल्क के अधीन होंगे?

यदि ऐसा होता है, तो अमेरिका और विभिन्न व्यापारिक देशों के बीच अलग-अलग टैरिफ समझौतों और व्यवस्थाओं का महत्व कम हो सकता है और 10 प्रतिशत का एकसमान शुल्क लागू होगा। एक अर्थ में यह भारत के लिए प्रतिकूल हो सकता है।

कई देशों को पहले कहीं अधिक ऊँचे टैरिफ का सामना करना पड़ रहा था, जिससे तुलनात्मक रूप से भारतीय निर्यात को लाभ मिलता था, क्योंकि भारत पर 18 प्रतिशत का टैरिफ दायित्व था। उदाहरण के लिए, चीन पर कुल मिलाकर कहीं अधिक ऊँचे टैरिफ़ लगाए गए थे। भारत के कुछ अन्य प्रतिस्पर्धी देशों पर भी उच्च दरें लागू थीं।

किसी भी स्थिति में, अन्य देशों की तुलना में भारत का वस्तु-निर्यात बहुत बड़ा नहीं है, चाहे दावे कुछ भी किए जाएँ। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने सेवा-निर्यात को बनाए रखने में है। यह क्षेत्र अभी तक टैरिफ युद्धों से मुख्यतः अछूता रहा है। जब तक यह स्थिति बनी रहती है, यह भारत के हित में है।

उपराष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने इसे केवल एक संदर्भ ग्रंथ नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम बताया।

उन्होंने कहा कि यह पहल संविधान को लोगों तक उनकी अपनी भाषाओं में पहुंचाने का माध्यम बनेगी, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी और संवैधानिक जागरूकता और अधिक सुदृढ़ होगी।

योगी आदित्यनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौरतलब है कि "यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण" पहले ही राज्य सरकार को जापान सिटी और सिंगापुर सिटी विकसित करने का प्रस्ताव भेज चुका है। योगी अपनी इस यात्रा के दौरान, शीर्ष नेतृत्व और उद्योग जगत के दिग्गजों से मुलाकात कर इन प्रोजेक्टों के लिए निवेश प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

हिंदुत्व के पोस्टर बॉय की छवि में बंधे रहने के बजाय, मुख्यमंत्री अब कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "गुजरात मॉडल" विकास अभियान से प्रेरणा लेने की कोशिश कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि 2013 में मोदी ने विकास के "गुजरात मॉडल" को सफलतापूर्वक प्रोजेक्ट किया था। अगला आम चुनाव होने में अभी तीन वर्ष से अधिक शेष समय है, लेकिन भाजपा के भीतर मोदी के उत्तराधिकारी की संभावित दौड़ तेज होने से पहले योगी खुद को पीछे रहने देना नहीं चाहते। हाल के सप्ताहों में योगी सरकार ने राज्य की आर्थिक और प्रशासनिक स्थिति में सुधार को प्रमुखता से उजागर किया है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सात वर्षों में राज्य में बैंक ऋण प्रवाह और औद्योगिक निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्रेडिट-डिपॉज़िट अनुपात बढ़ा है और कुल ऋण वितरण दोगुना हुआ है। आँकड़े बताते हैं कि बैंकों में जमा धन का बड़ा हिस्सा, अन्य किसी क्षेत्र के बजाय, अब ऋण के रूप में राज्य के भीतर ही लगाया जा रहा है।

आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, 2017 से 2024 के बीच औद्योगिक ऋण लगभग 82,000 करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 1.68 लाख करोड़ रुपये, अर्थात दोगुना हो गया है। राज्य के अधिकारी इसे मैन्यूफैक्चरिंग और औद्योगिक क्षेत्रों में निवेशकों की बढ़ती भागीदारी का संकेत बता रहे हैं।

जापान और सिंगापुर दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री भारतीय प्रवासी समुदाय, उद्योग विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे, ताकि उत्तर प्रदेश में निवेश आकर्षित किया जा सके और सांस्कृतिक व आर्थिक संबंधों को मजबूत किया जा सके। टोक्यो में "जापान-उत्तर प्रदेश साझेदारी: विनिर्माण, गतिशीलता और प्रौद्योगिकी" विषय पर एक सम्मेलन भी प्रस्तावित है।

भारत पर अमेरिकन टैरिफ 18 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहमत हुए हों।

लेकिन, वाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रंप प्रशासन आगे चलकर "अधिक उपयुक्त या पूर्व-निर्धारित टैरिफ़ दरें लागू करने" के विकल्प तलाशेगा।

इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और भारत ने अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति की घोषणा की थी। इससे पहले, ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर भारत द्वारा रूसी तेल खरीद पर लगाए गए 25 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ़ को हटाया था और नई दिल्ली पर रैसिप्रोकल शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया था।

अब 10 प्रतिशत की नई वैश्विक दर, जो दुनिया के सभी देशों पर लागू होगी, लागू होने के बाद, अमेरिका में आयातित भारतीय वस्तुओं पर पहले तय 18 प्रतिशत टैरिफ़ लागू नहीं रहेगा।

लेकिन धारा 122 के तहत लगाए गए ये टैरिफ़ 150 दिनों के बाद स्वतः समाप्त हो जाएंगे, जब तक कि कांग्रेस इन्हें बढ़ाने के लिए मतदान न करे। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि यद्यिप समय-सीमा स्पष्ट है, लेकिन राष्ट्रपति इन उपायों को समाप्त होने दे सकते हैं और फिर नए भुगतान संतुलन आपातकाल की घोषणा कर पुनः लागू कर सकते हैं।

ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि वह राष्ट्रपति की व्यापार नीति को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उनके चुनाव अभियान और एजेंडे का केन्द्रीय हिस्सा रही है।

इसी बीच खबर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक स्तर पर टैरिफ में बढ़ोतरी का बड़ा ऐलान कर दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए घोषणा की कि अब से तुरंत प्रभाव से दुनिया के सभी देशों से होने वाले आयात पर लगने वाला टैरिफ 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया जाएगा।

जेवर में सेमीकंडक्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य पर तीव्र गति से कार्य कर रहा है। उन्होंने लाल किले से दिए अपने संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पास रुकने या ठहरने का समय नहीं है। वर्ष 2026 की शुरुआत से ही देश ने विकास की रफ्तार और तेज कर दी है।

उन्होंने बताया कि भारत ने सेमीकंडक्टर मिशन के तहत अब तक 10 फैब्रिकेशन और पैकेजिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें से चार शीघ्र उत्पादन शुरू करने वाली हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 20वीं सदी में जिस देश के पास तेल था, वही समृद्ध माना जाता था, लेकिन 21वीं सदी में वही शक्ति छोटी सी चिप और उससे जुड़ी स्किल एवं मटीरियल के पास है।

कोरोना महामारी के दौरान चिप सप्लाई चेन में आई बाधाओं से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने उस संकट से सीखकर आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600